শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 193 | गुवाहाटी | रविवार, 11 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सदन में 40 से कम आयु वाले सांसदों की संख्या अधिक पेज 2
अखिल गोगोई पागल के बारे में मैं नहीं जानता : बदरुद्दीन अजमल पेज 3
मौलाना की चिंगारी, भड़की हिंदू संगठनों ने उठाई आवाज पेज 5
सनथ जयसूर्या ने दोहरे शतक के लिए पथुम निसंका की सराहना की पेज 7

राम मंदिर पर प्रस्ताव पारित कर 17वीं लोकसभा का अंतिम सत्र संपन्न

नई दिल्ली (हि.स.)। 17वीं लोकसभा का अंतिम सत्र शनिवार को राम मंदिर पर चर्चा के बाद संपन्न हो गया। 31 जनवरी को शुरू हुए पंद्रहवें सत्र के समाप्त होने के साथ ही सत्रहवीं लोकसभा भी समाप्त हो गई। 17वीं लोकसभा की पहली बैठक 17 जून, 2019 को हुई थी। इस लोकसभा ने 222 कानून पारित किये। इस अवधि के दौरान 202 विधेयक पुर:स्थापित किए गए तथा 11 विधेयकों को सरकार द्वारा वापस लिया गया। सत्र के समापन की घोषणा करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने उल्लेख किया कि लोक सभा ने भारतीय न्याय संहिता, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, मुस्लिम महिला विधेयक, डिजिटल पर्सनल डाटा विधेयक जैसे ऐतिहासिक विधेयक पारित किए। हमने विशेष रूप से भारतीय चिंतन को आगे बढ़ाने के लिए कानून पारित किए। उन्होंने बताया कि इस लोकसभा में महिलाओं का अधिकतम प्रतिनिधित्व रहा और सदन की कार्यवाही में उनकी सक्रिय भागीदारी रही। 17वीं लोक सभा के दौरान पारित कुछ ऐतिहासिक कानूनों पर बिरला ने कहा कि संसद के नए भवन के अंदर सर्वप्रथम

नारी शक्ति वंदन विधेयक, 2023 को चर्चा के लिए लिया गया और सभी दलों के सहयोग से यह ऐतिहासिक विधेयक उसी दिन पारित किया गया। इसके अतिरिक्त, सदन ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य बिल, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन विधेयक, मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास विधेयक, औद्योगिक संबंध संहिता जैसे कई ऐतिहासिक कानून पारित किए। उन्होंने कहा कि 17वीं लोक सभा के दौरान आजादी के पूर्व बनाए गए अनेक अनुपयोगी कानूनों को निरस्त किया गया और आजादी के पूर्व बनाए गए कानूनों के स्थान पर नए कानून बनाए गए। इस लोक सभा की अवधि के दौरान सदन द्वारा तीन संविधान संशोधन विधेयक पारित किए गए। लोकसभा की उत्पादकता पर बिरला ने कहा कि 17वीं लोक सभा में कुल मिलाकर 274 बैठकें हुईं, जो 1354 घंटे तक चली। सदन ने नियत समय से 345 घंटे की अधिक अवधि तक बैठकर अपना कार्य किया। उन्होंने बताया कि इस लोक सभा में व्यवधान के कारण कुल 387 घंटे का समय व्यर्थ हुआ। 17वीं लोक सभा की कुल कार्य उत्पादकता लगभग 97 प्रतिशत रही है, जो पिछली 5 लोक सभाओं में सबसे अधिक है। 17वीं लोकसभा में लाए गए नवाचारों पर बिरला ने प्रिजम, संसद सदस्यों के लिए ब्रीफिंग सत्र, सदस्यों को पुस्तकों की होम डिलीवरी, कार्यवाही का डिजिटलीकरण, मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप पर सदस्यों के वीडियो फुटेज की डिलीवरी आदि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 17वीं लोक सभा में पेपरलेस -शेष पृष्ठ दो पर

सांसदों ने दी भावुक विदाई

नई दिल्ली। लोकसभा की अंतिम बैठक शनिवार को समाप्त हुई और निचले सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस 17वीं लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 97 प्रतिशत रही और अनुच्छेद 370 हटाने और महिला आरक्षण से संबंधित कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 17वीं लोकसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन अपने संबोधन में कहा कि इस लोकसभा में 97 प्रतिशत उत्पादकता रही जिसमें विशेष रूप से महिला सांसदों की भागीदारी रही। सदन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और विभिन्न दलों के नेता उपस्थित थे। बिरला ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय रहा कि इस सत्र में नारी वंदन विधेयक पारित हुआ...यह महिला सशक्तीकरण में अभूतपूर्व उपलब्धि थी। उन्होंने कहा कि कई ऐतिहासिक विधेयक इस लोकसभा में पारित किए गए। -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

लोस चुनाव से पहले पूरे देश में लागू होगा सीएए : केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी इस समय लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है। इसी बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बड़ा एलान किया है। दरअसल, उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले पूरे देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू हो जाएगा। दरअसल, एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस बात की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मैं साफ कर देना चाहता हूं कि सीएए किसी भी व्यक्ति की नागरिकता नहीं छीनेगा। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे पाकिस्तानी, अफगानिस्तानी और बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों को नागरिकता देना है। अमित शाह ने कहा कि यह भी कांग्रेस का वादा है। उन्होंने कहा कि जब देश का विभाजन हुआ और वहां पर अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित किया जाता था। उस दौरान वह सभी भारत में भाग कर आना चाहते थे, तब कांग्रेस ने कहा था कि आप यहां आइए, आपको यहां नागरिकता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्ष पर मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमारे -शेष पृष्ठ दो पर

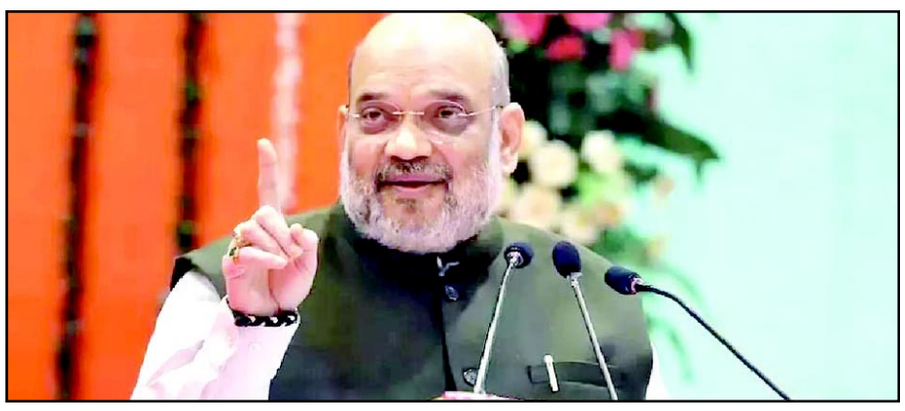

अखिल गोगोई ने जताया कड़ा विरोध राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का किया आह्वान

गुवाहाटी। शिवसगर विधायक और राइजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर कड़ा विरोध जताया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू किया जाएगा। गोगोई ने यह भी कहा कि अगर कानून लागू हुआ तो पूरे राज्य में जोरदार विरोध और प्रदर्शन होंगे। राइजोर दल नेता ने यह भी कहा कि सीएए एक सांप्रदायिक कानून है और इसके लागू होने से असम में रह रहे लाखों अवैध बांग्लादेशी हिंदुओं को नागरिकता मिल जाएगी। हम गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान का कड़ा विरोध करते हैं जिसमें कहा गया है कि सीएए लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। सीएए संविधान के खिलाफ है, लोकतंत्र के खिलाफ है। सीएए एक सांप्रदायिक और धार्मिक रूप से प्रेरित कानून है। हम इस कानून को कभी स्वीकार नहीं कर सकते। अगर सीएए लागू हो गया तो असम -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा के जय श्री राम के नारे नफरत को दर्शाते हैं : गौरव गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शनिवार को भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि उसके सदस्यों द्वारा *जय श्री राम* के नारे गुस्से और नफरत को दर्शाते हैं। साथ ही उन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की पूजा करने की परंपरा को बंद करने का आग्रह किया। ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण एवं श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा पर लोकसभा में बहस में भाग लेते हुए गोगोई ने कहा कि भगवान राम सबके हैं और हर समय सबके साथ हैं। वह हर पल हमारे हर हिस्से

में हैं। लोकसभा में कांग्रेस नेता ने कहा कि *राम राज्य* की परिभाषा का अर्थ है एक ऐसा युग जब हर कोई खुश हो और कोई भी दुखी न हो। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या वर्तमान समय में देश के उत्पीड़ित, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक खुश हैं। गोगोई ने कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं क्योंकि जब विश्वविद्यालयों में शिक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

आडवाणी से सोनोवाल ने की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से शनिवार को उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। हाल में आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा पर सोनोवाल ने उनको बधाई दी। मुलाकात के बाद सोनोवाल ने पत्रकारों से कहा कि लालकृष्ण आडवाणी की आजीवन प्रतिबद्धता और जनता के कल्याण के प्रति समर्पण ने भाजपा और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया है। उनके आशीर्वाद ने हमें प्रेरित किया है।

वरिष्ठ पत्रकार रत्नेश कुमार की मां तथा स्वतंत्रता सेनानी कमला देवी का निधन, शोक की लहर

गुवाहाटी (विभास)। बिहार के चर्चित मजदूर, नेता व स्वतंत्रता सेनानी स्व. रामदेव सिंह की धर्मपत्नी तथा गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित *विकसित भारत समाचार* के वरिष्ठ पत्रकार रत्नेश कुमार की मां स्वतंत्रता सेनानी कमला देवी का निधन शुक्रवार को 95 वर्ष की आयु में हो गया। इस मौके पर बिहारस्थित उनके घर पहुंचकर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने सम्मान देते हुए श्रद्धांजलि दी। कमला देवी ने अपने पति चर्चित मजदूर नेता व स्वतंत्रता सेनानी रामदेव सिंह के साथ मिलकर की देश की आजादी के आंदोलन में अपनी अहम भूमिका -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

व्यसनी व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सब मिलकर हिंदू समाज की चिंता करें : भागवत

मुरैना (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि जैसे शरीर में प्रत्येक अंग की आवश्यकता है। शरीर के हर अंग को सुरक्षित और स्वस्थ रखेंगे, तब ही शरीर स्वस्थ रहेगा। ऐसे ही हम सब मिलकर हिंदू समाज की चिंता करें। संघ में भले ही सामाजिक सद्भाव कार्य की शुरुआत 2007 से हुई है, लेकिन संघ में जात-पात का भेद प्रारंभ से नहीं है। सामाजिक समरसता के लिए संघ प्रारंभ से कार्य कर रहा है। सरसंघचालक डॉ भागवत शनिवार -शेष पृष्ठ दो पर

तरुण गोगोई ने ज्योतिषी से मिलने के लिए हेलीकॉप्टर से की जॉय राइड : पीयूष

गुवाहाटी। असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने शनिवार को दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई अपने ज्योतिषी से मिलने के लिए सरकारी पैसे से हेलीकॉप्टर में सवारी करेंगे। हजारिका, जिनके पास संसदीय कार्य और सूचना एवं जनसंपर्क सहित कई विभाग हैं, एक पूर्व कांग्रेस विधायक हैं, जो सबसे पुरानी पार्टी से शर्मा के बाहर निकलने के बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। हजारिका ने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे स्पष्ट रूप से याद है कि कैसे स्वर्गीय एसजेटी तरूण

गोगोई डंगोरिया अपने ज्योतिषी से मिलने के लिए गुवाहाटी से जगीरोड, नलबाड़ी तक कई बार 50 किमी की हेलीकॉप्टर यात्रा करते थे। कांग्रेस पार्टी ने कभी भी इन बिलों का भुगतान नहीं किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के हेलीकॉप्टर उपयोग पर स्थगन प्रस्ताव के लिए लोकसभा सांसद गौरव गोगोई के नोटिस का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि मेरा अनुरोध है कि गौरव गोगोई असम डंगोरिया अगली बार जब -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान : चुनाव में धांधली के खिलाफ रैली के दौरान गोलीबारी, कई घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चुनाव के दौरान हुई कथित धांधली के खिलाफ निकाली जा रही रैली पर पुलिस द्वारा किए गए बल प्रयोग में पूर्व सांसद मोहसिन डावर और उनके समर्थक घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से सटे उत्तरी वजीरिस्तान जिले में चुनाव नतीजों की घोषणा में देरी के विरोध में निकाली गई रैली के दौरान नेशनल असेंबली के पूर्व सदस्य एवं *नेशनल* -शेष पृष्ठ दो पर

गरीबों के कल्याण के लिए सरकार ने खोला खजाना : प्रधानमंत्री

अहमदाबाद (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में शनिवार को पूरे राज्य में 2,993 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कुल 1,31,454 आवासों का ई-लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बनासकांठा के डीसा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए सरकार ने खजाना खोल दिया है। गरीब

कल्याण की हर सरकारी योजना के सबसे बड़े लाभार्थी दलित, ओबीसी और आदिवासी परिवार हैं। मोदी की गारंटी का सबसे अधिक लाभ इन परिवारों को हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता अर्थात् किसान, महिलाएं विकसित भारत के आधार स्तंभ हैं, इसलिए इनका सशक्तिकरण हमारी प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री ने गृह प्रवेश करने वाले लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार का प्रयास है कि सभी के पास अपना पक्का घर हो। -शेष पृष्ठ दो पर

फ्लोर टेस्ट : तेजस्वी ने विधायकों को अपने घर पर ही रोका

पटना। बिहार की राजनीति में अगला हफ्ता राजनीतिक मायनों बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि नीतीश कुमार की अगुवाई वाली एनडीए सरकार को 12 फरवरी को बहुमत साबित करना है। बहुमत साबित किए जाने से पहले सभी राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर विधायकों को सहेजने में जुट गए हैं। फ्लोर टेस्ट से पहले तेजस्वी यादव ने अपनी पार्टी के सभी विधायकों को अपने आवास पर रखने का इंतजाम कर दिया है। वहीं जेडीयू विधायक नीरज से तंज कसते हुए कहा कि जो डर गया सो मर गया। विधानसभा में सोमवार को होने वाले फ्लोर टेस्ट से पहले राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायकों का सामान पटना में पार्टी नेता और पूर्व डिप्टी -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार जितनी तेजी से लोगों के दैनिक जीवन से बाहर होगी, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 17वीं लोकसभा में अपने अंतिम संबोधन में आशा व्यक्त की कि आने वाले चुनावों से देश के गौरव को और बढ़ाएंगे और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करेंगे। उनका मानना है कि सरकार जितनी तेजी से लोगों के दैनिक जीवन से बाहर होगी, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 17वीं लोकसभा के अंतिम सत्र के आखिरी दिन अपने संबोधन में कहा कि चुनाव बहुत दूर नहीं हैं। कुछ लोग घबरा सकते हैं लेकिन यह

लोकतंत्र का एक अनिवार्य पहलू है। हम सभी इसे गर्व से स्वीकार करते हैं। उनका मानना है कि हमारे चुनाव देश का गौरव बढ़ाएंगे और लोकतांत्रिक परंपरा का पालन करेंगे, जिससे दुनिया आश्चर्यचकित होती है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि अगले 25 साल हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। राजनीतिक गतिविधियां अपनी जगह हैं लेकिन देश की आकांक्षाएं, अपेक्षाएं, सपने और संकल्प ये हैं कि ये 25 साल ऐसे हैं, जिनमें देश अपेक्षित परिणाम प्राप्त करेगा। प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष का सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए आभार व्यक्त किया। -शेष पृष्ठ दो पर

जेलों में प्रेग्नेंट हो रहीं हैं महिला कैदियों को लेकर एससी सख्त

नई दिल्ली। कुछ दिनों पहले पश्चिम बंगाल की जेलों से हैरान करने वाला मामला सामने आया था। मामला था राज्य के जेलों में बंद कैदी महिलाओं का गर्भवती होना। बंगाल के कई जेलों में कुल मिलाकर करीब 196 बच्चों ने जन्म लिया है। यह जानकारी जेल सुधार से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को दी है। इस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है और स्वत: संग्यान लिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजय करोल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने सभी राज्यों से इस मामले पर तुरंत कार्रवाई का आदेश दिया है। दरअसल जस्टिस अमानुल्लाह की पीठ एक जनहित -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

17वीं लोकसभा सबसे युवा व ज्यादा शिक्षित

सदन में 40 से कम आयु वाले सांसदों की संख्या अधिक

नई दिल्ली। 17वीं लोकसभा की अंतिम बैठक शनिवार को हुई। आंकड़ों से जाहिर होता है कि यह युवा होने के साथ ही ज्यादा शिक्षित भी है। यही नहीं लिंगानुपात भी पहले से बेहतर है। इस सदन के करीब 400 सदस्य स्नातक हैं। हालांकि, 12वीं तक पढ़े सांसदों की संख्या भी बढ़ी है, जबकि 70 वर्ष से ज्यादा आयु वाले सदस्यों की संख्या कम और 40 वर्ष से कम आयु वाले सांसदों की संख्या अधिक हुई है। बता दें कि 17वीं लोकसभा में 260 पहली बार पहुंचे, जबकि दोबारा चुनकर सदन में पहुंचने वालों की संख्या 16वीं लोकसभा से अधिक है। 17वीं लोकसभा के लिए 2019 में चुनाव हुए थे। भाजपा के 303 सदस्य सदन में पहुंचे थे। हालांकि, हालिया विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा के कुछ सदस्यों

के त्यागपत्र के बाद उसकी संख्या घटकर 290 रह गई है। 2019 के चुनाव में कुल 397 सांसद राष्ट्रीय पार्टियों से जीतकर पहुंचे थे। इनमें 52 कांग्रेस के सदस्य हैं। मौजूदा लोकसभा में सदस्यों की औसत आयु 54 वर्ष है। 16वीं लोकसभा में 40 वर्ष से कम उम्र वाले सदस्य आठ प्रतिशत थे, जबकि 17वीं लोकसभा में ऐसे सदस्य 12 प्रतिशत हैं। इस सदन में सबसे कम उम्र की बीजेडी की चंद्राणी मुर्मु हूं। वह 2019 में 25 वर्ष 11 महीने की उम्र में निर्वाचित हुई थीं। सपा के शफीकुर रहमान बर्क सबसे उम्रदराज सांसद हैं। वह 89 साल की उम्र में चुनाव जीते थे। 2019 में 716 महिलाओं ने चुनाव लड़ा था। इनमें से 78 निर्वाचित हुईं। 2014 में 62 महिलाएं संसद पहुंची थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सदन की कार्यवाही में नए मानक स्थापित करने के लिए संसद सदस्यों की जमकर तारीफ की। 17वीं लोकसभा के अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कामकाज के लिहाज से सबसे अधिक उत्पादक सत्रों में से एक रहा है और इसके लिए संसद सदस्य प्रशंसा के पात्र हैं। प्रधानमंत्री ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सांसदों को कोविड-19 महामारी के दौरान वेतन में 30 प्रतिशत की कटौती करने के लिए धन्यवाद दिया।

बांहबारी में सड़क हादसा

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिला के में बनहबरी की कॉलोनी में आज एक सड़क दुर्घटना एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अन्य पांच लोगों की बाल-बाल जान बच गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि तामुल (सुपारी) लेकर जा रही तेज रफ्तार एक बोलेरो पिकअप वैन (एएस-28सी-6780) अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। हादसे में वाहन में सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, पांच लोगों की जान बाल-बाल बच गई। घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि दुर्घटना वाहन चालक द्वारा अत्यधिक शराब पीने के कारण हुआ। सूचना पाकर मौके पर स्थानीय बांहबारी पुलिस मौके पर पहुंची।

मणिपुर में यूपीपीके के तीन कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में उपद्रव फैलाने वाले उग्रवादी लगातार गिरफ्तार किए जा रहे हैं। पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के बाजार इलाके से यूपीपीके के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार कैडर विभिन्न प्रतिष्ठानों से पैसे की जबरन वसूली में शामिल थे। उनके कब्जे से विभिन्न आपत्तिजनक वस्तुएं भी जब्त की गईं। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर पुलिस हिरासत में ले लिया गया है।

मणिपुर पुलिस ने 227 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 227 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 180 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 237 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 141 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

गुरदासपुर लोकसभा सीट से भाजपा के चुनाव लड़ सकते हैं युवराज सिंह

नई दिल्ली। भारत के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह कथित तौर पर आगामी लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर अफवाहें वायरल हो गई हैं कि 2011 विश्व कप के हीरो के पंजाब की गुरदासपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है। इससे पहले भाजपा से बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल गुरदासपुर से मौजूदा सांसद हैं। युवराज के राजनीति में प्रवेश करने और भाजपा में शामिल होने की अफवाहें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ उनकी हालिया मुलाकात के बाद वायरल हो गईं। गडकरी ने शुक्रवार, 09 फरवरी को नई दिल्ली में युवराज और उनकी मां शबनम सिंह से मुलाकात की और उनकी मुलाकात का एक वीडियो साझा किया। 2019 में वनडे विश्व कप से पहले क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले युवराज ने कभी भी राजनीति में शामिल होने की इच्छा व्यक्त नहीं की है। हालांकि, एक रिपोर्ट के अनुसार, युवराज को आगामी आम चुनाव में गुरदासपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है और वह सनी देओल के बाद निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का चेहरा बन सकते हैं। यदि यह सच है, तो युवराज राजनीति में प्रवेश करने के लिए गौतम गंभीर और हरभजन सिंह जैसे अपने कुछ पूर्व भारतीय साथियों के साथ शामिल हो जाएंगे। गंभीर जहां पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद हैं, वहीं हरभजन पंजाब में आप से सांसद हैं।

पृष्ठ एक का शेष

राम मंदिर पर प्रस्ताव...

ऑफिस के विजन को साकार करते हुए संसदीय कामकाज में डिजिटल माध्यम का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 97 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों के नोटिस इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दिए जा रहे हैं। 17वीं लोकसभा में मितव्ययिता उपायों पर बिरला ने बताया कि पूरी लोकसभा के दौरान लगभग 875 करोड़ रुपए की बचत हुई, जो सचिवालय के बजट का 23 प्रतिशत था। इस लोक सभा में इस कैंटीन सब्सिडी को पूर्णत: समाप्त कर दिया गया, जिससे लगभग 15 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत हुई। संविधान सभा में फसाड लाइटिंग की व्यवस्था और लोक सभा टीवी और राज्य सभा टीवी के विलय से करोड़ों रुपए की बचत हुई। लोकसभा ने आज सत्र के अंतिम दिन राम मंदिर को लेकर प्रस्ताव पारित किया। ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण एवं श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर नियम 193 के तहत चर्चा कराई गई, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह ने भी भाग लिया। प्रस्ताव के अनुसार अयोध्या में बन रहा प्रभु श्री राम का मंदिर सिर्फ पत्थरों का ढांचा भर नहीं है बल्कि आस्था और भक्ति के अनंत भावों से परिपूर्ण है। 22 जनवरी, 2024 पूरे भारतवर्ष के लिए एक ऐसी तिथि है, जिसने देश के कोने-कोने को अद्भुत आनंद और उत्साह से भर दिया। दुनियाभर की अलग-अलग संस्कृतियों में भी राम मंदिर की खूब चर्चा रही। हर ओर आस्था का सागर उमड़ता दिखा। यह एक राष्ट्रीय पर्व का दिन बन गया है, जिसको लेकर युग-युगांतर तक हमारी पीढ़ियां अभिभूत होती रहेंगी। इसमें आगे कहा गया कि अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर *एक भारत श्रेष्ठ भारत* की भावना का प्रत्यक्ष प्रतीक है। इस अवसर ने ये भी दिखाया है कि समाज में समरसता बढ़ाने में हमारे सामूहिक प्रयासों का कितना बड़ा योगदान है। इस पल के साकार होने में हमारी न्यायपालिका और समाज के एक बड़े हिस्से की भूमिका भी उतनी ही अहम रही है। जनमानस का हमारे कानून और लोकतंत्र पर विश्वास, ये दिखाता है कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव कितनी सशक्त और गहरी है। सदन ने विश्वास व्यक्त किया कि ये ऐतिहासिक उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को आशा, एकता और सामूहिकता के मूल्यों का संदेश देगी। इसके साथ ही ये हमारे देश की विविधता में एकता की भावना को भी और प्रगाढ़ करेगी।

सांसदों ने दी ...

बिरला का कहना था कि हमने भारतीय चिंतन को आगे बढ़ाने के लिए कानून पारित किए। उन्होंने कहा कि 17वीं लोकसभा इसलिए भी विशेष है कि भारत के अमृतकाल में संसद के पुराने भवन और नए भवन दोनों में अपने संसदीय दायित्वों को हमने निभाया। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा में पहली बार शून्यकाल में सरकार ने सकारात्मक उत्तर देकर नई परंपरा शुरू की। बिरला ने भावुक होते हुए कहा कि संसद के सभी सदस्यों से उनका जुड़ाव हो गया है और सभी परिवार की तरह बन गए हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ सदस्यों को अनुशासनहीनता के लिए निलंबित किये जाने जैसे फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से कभी इस तरह के कदम उठाने के पक्षधर नहीं रहे और उन्हें इस तरह के फैसलों का दुख हुआ। बिरला ने कहा कि भविष्य में सभी सदस्य इस सदन की मर्यादा और गरिमा को बनाकर रखेंगे, वह ऐसी आशा रखते हैं। उन्होंने कहा कि इस सदन की उच्च परंपरा, परिपाटियां और प्रतिष्ठा रही हैं। मैंने भी पूर्ववर्ती अध्यक्षों की तरह इन्हें बनाकर रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि 17वीं लोकसभा में कुल मिलाकर 222 कानून पारित किए गए।

लोस चुनाव से ...

मुस्लिम भाइयों को सीएए को लेकर गुमराह किया जा रहा है और भड़काया जा रहा है। सीएए केवल पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए है। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए सीएए का उद्देश्य हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है, जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हैं। दिसंबर 2019 में संसद द्वारा सीएए के पारित होने और उसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद, देश के विभिन्न हिस्सों में महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। आगामी लोकसभा चुनाव के बारे में बोलते हुए गृह मंत्री ने कहा कि यह चुनाव विकास के खिलाफ भ्रष्टाचार के बारे में है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारत बनाम एनडीए के बारे में नहीं है। यह भ्रष्ट शासन बनाम भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के बारे में है। यह चुनाव उन लोगों के बारे में है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा सुरक्षित करना चाहते हैं बनाम उनके बारे में जो विदेश नीति के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं।

अखिल गोगोई ने ...

में अवैध रूप से रह रहे 15-20 लाख हिंदू बांग्लादेशियों को असम में भारतीय नागरिकता मिल जाएगी। गोगोई ने आगे कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले 1 करोड़ 70 लाख हिंदू बांग्लादेशी, जो विदेशी हैं, उनके लिए भारत, खासकर असम और पूर्वोत्तर में प्रवेश करने का रास्ता साफ हो जाएगा। इसलिए हम सीएए को स्वीकार नहीं कर सकते, जो हम पर इतना बड़ा बोझ डालेगा। शिवसागर विधायक की टिप्पणी अमित शाह द्वारा आज पहले कहे जाने के बाद आई है कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), जो 2019 में लागू किया गया था, इस संबंध में नियम जारी करने के बाद इस साल लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। गोगोई ने आगे कहा कि सीएए असम की जनसांख्यिकी को बदलने का एक प्रयास है और इसके खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यहां उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों से सीएए लागू होने के खिलाफ विरोध के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। असम के लोग 1910 से जनसांख्यिकीय परिवर्तन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जनसांख्यिकीय परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष असम के क्षेत्रीय आंदोलनों की एक प्रमुख विशेषता रही है। इसलिए कोई भी असमिया यह स्वीकार नहीं करेगा कि सीएए के माध्यम से लाखों लोगों को असम में प्रवेश करने की अनुमति दी जाए। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं। हम (राइजोर दल) यह मांग कर रहे हैं कि इसे लागू नहीं किया जाना चाहिए। अगर वे इसे जबरदस्ती लागू करने की कोशिश करेंगे, तो इसके खिलाफ तीव्र प्रदर्शन करेंगे। हम सभी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हैं कि वे इस अवैध कानून के खिलाफ विरोध करने के लिए तैयार रहें। हम असम के सभी लोगों से एक साथ आने और इस कानून का विरोध करने का भी आह्वान करते हैं, जो असम की संस्कृति और भाषा को नुकसान पहुंचा सकता है। मालूम हो कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया सीएए, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए बनाया गया है, जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए थे। इसमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं। यह अधिनियम दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था और इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई। इसके बावजूद, इसके कार्यान्वयन में देरी हुई है, जिसके कारण भारत के विभिन्न हिस्सों में महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, 10 फरवरी को, अमित शाह ने अधिनियम को लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, और जोर दिया कि इसका उद्देश्य नागरिकता छीनने के बजाय प्रदान करना है।

भाजपा के जय श्री...

और सरकारी नौकरियों में हिस्सेदारी की बात आती है तो उन्हें भेदभाव महसूस होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का अहंकार उन्हें महंगाई, असहिष्णुता, अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसा देखने से रोक रहा है। सत्ता पक्ष के सदस्यों के विरोध करने पर गोगोई ने कहा कि *जय श्री राम* के नारे से प्रेम और सद्भावना झलकनी चाहिए। गोगोई ने कहा कि लेकिन आपके जय श्री राम नारे में गुस्सा और नफरत है। अगर आपका दिल नफरत से भरा है, अगर आप दूसरों पर गोलियां चलाते हैं या दूसरे धर्मों के पूजा स्थलों को अपवित्र करते हैं तो आप *राम भक्त* नहीं हो सकते। गोगोई ने कहा कि सीता ने अपने धैर्य और दैवीय ऊर्जा को कभी कम नहीं होने दिया, लेकिन उन्नाव में दलित लड़की या दुर्व्यवहार का विरोध करने वाली महिला खिलाड़ियों को ऐसा अनुभव नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वे असहाय महसूस कर रहे थे। हमारे चारों ओर असहायता है। आप उन युवाओं में असहायता देखेंगे जो नौकरी तलाश रहे हैं। कुछ ने नशे की लत और अपराध को अपना लिया है, जबकि अन्य दूसरे देशों में नौकरी की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करती है लेकिन इस शब्द की *पश्चिमी परिभाषा* से खुद को दूर रखती है। गोगोई ने आगे कहा कि भारत एक धार्मिक देश है। हम किसी एक धर्मग्रंथ में नहीं, बल्कि सभी धर्मों की समानता में विश्वास करते हैं। गुरु नानक का हवाला देते हुए गोगोई ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी को एकजुट करना चाहती है और यही भारत की परंपरा है। उन्होंने कहा कि इसलिए, मैं सत्तारूढ़ दल को चेतावनी देना चाहता हूं कि उन्हें नाथूराम गोडसे का रास्ता छोड़ देना चाहिए, आपको गोडसे की पूजा करने की परंपरा को बंद कर देना चाहिए। अहंकार करना बंद कर देना चाहिए। रावण अपने अहंकार के कारण मारा गया था। गोगोई ने कहा कि वह राम ही थे जिन्होंने रावण के अहंकार को हराने के लिए शोषितों और पिछड़ों की सेना को सशक्त बनाया। गोगोई ने कहा कि इस देश का जन्म 2014 या 22 जनवरी 2024 को नहीं हुआ था। राम लला हमेशा हमारे साथ रहे हैं, 500 साल पहले भी और भविष्य में भी। राम हमारे दिलों में हैं।

वरिष्ठ पत्रकार रत्नेश कुमार...

निभाई थी। इस संबंध में स्व कमला देवी के पुत्र अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आजादी की लड़ाई में मजदूर नेता स्व. रामदेव सिंह एवं उनकी पत्नी का काफी योगदान रहा है। शहर के मगरहट्टा मोहल्ला स्थित इनके आवास पर आजादी के लड़ाई में शामिल नेताओं का जमघट होता था और यहीं से लड़ाई की रणनीति बनती थी। उस समय क्रांतिकारियों के रहने-खाने की व्यवस्था कमला देवी द्वारा ही किया जाता था। इनके यहां स्वतंत्रता सेनानी अमीर गुरुजी, योगेंद्र शुक्ल, बैकुंठ शुक्ल और विश्वनाथ सिंह पहुंचते थे। बाद में इनके यहां प्रख्यात समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडिस, मधु लिमये, बसावन सिंह, कर्पूरी ठातुर, रामसुंदर दास आदि लोगों का जमावड़ा लगा रहता था। हालांकी खबर लिखे जाने तक उनके दूसरे बेटे तथा वरिष्ठ पत्रकार रत्नेश कुमार से कोई संपर्क साधा नहीं जा सका। स्वतंत्रता सेनानी कमला देवी के निधन के बाद जिला प्रसाशन द्वारा उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया। जिला प्रशासन की ओर से प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार समन, नगर परिषद के सिटी मैनेजर, के अभय कुमार निराला, कृष्णा प्रसाद, नगर थानाध्यक्ष राजेश शरण, प्रतिज्ञा सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव संजय कुमार आदि उपस्थित थे। इस दौरान स्व. कमला देंवी को गार्ड आफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर रत्नेश सिंह, चंदेश्वर सिंह, गीता सिंह, रीता सिंह, अमृता सिंह, राजश्री सिंह, डॉ. मधु श्री, रूपांश्री सिंह, डॉ. देवाश्री सिंह, अजीत कुमार सिंह, महेश्वर सिंह, डॉ. विकास सिंह सहीत कई गणमान्य लोग उपस्थित हो कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

तरुण गोगोई ने ...

असम के मुख्यमंत्रियों के हेलीकॉप्टर उपयोग पर बोलें तो इस मामले को उठाएं। गोगोई लोकसभा में कलियाबोर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत तरुण गोगोई के बेटे हैं। सांसद ने असम सरकार द्वारा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और गैर-सरकारी उद्देश्यों सहित अन्य वीआईपी लोगों की हवाई यात्रा पर 58,23,07,104 रुपए खर्च करने की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया था। गोगोई ने कहा कि यह सार्वजनिक धन की एक महत्वपूर्ण राशि है, जिसका उपयोग असम में महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं या सामाजिक कल्याण पहल के लिए किया जा सकता था। राज्य सरकार ने मंगलवार को विधानसभा को सूचित किया था कि 10 मई, 2021 से 30 जनवरी, 2024 तक मुख्यमंत्री, अन्य मंत्रियों और उच्च गणमान्य व्यक्तियों के लिए एयरलिफ्ट/हेलीकॉप्टर के खर्च पर 5,823.07104 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने किसी भी हवाई यात्रा के लिए अपने व्यक्तिगत खाते से भुगतान नहीं किया है और उन्होंने निजी काम, उनके आधिकारिक कर्तव्यों या जिस राजनीतिक दल का वह प्रतिनिधित्व करते हैं, उससे संबंधित काम के लिए सरकारी खर्च पर हवाई यात्रा नहीं की है। हेलीकॉप्टर यात्रा के लिए भारी खर्च की विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए, शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि यह केवल आधिकारिक उद्देश्यों के लिए असम के मुख्यमंत्री के लिए था और इसने यात्रा के समय में कटौती करके सरकार की दक्षता में वृद्धि की। हेलीकॉप्टर की सवारी पर खर्च का मुद्दा तीन फरवरी को एक संयुक्त जांच रिपोर्ट में दो डिजिटल मीडिया संगठनों द्वारा उठाया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि शर्मा ने राज्य सरकार के करोड़ों रुपए के फंड का इस्तेमाल हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमानों को किराए पर लेने के लिए किया था ताकि भाजपा के लिए राज्य और राज्य के बाहर जाकर प्रचार किया जा सके। मीडिया पोर्टलों ने आरटीआई जवाबों का हवाला देते हुए कहा कि शर्मा ने पार्टी बैठकों के अलावा कई शादियों में शामिल होने के लिए करदाताओं के पैसे से चार्टर्ड विमान भी किराए पर लिए थे। रिपोर्ट को खारिज करते हुए, मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया था, एचसीएम डॉ. हिमंत विश्व के चुनाव अभियान का कोई भी खर्च राज्य के खजाने से वहन नहीं किया जाता है। उड़ानों सहित सभी खर्चों का भुगतान राजनीतिक दल द्वारा बैंक हस्तांतरण/चेक के माध्यम से किया जाता है। हालांकि, इसमें कहा गया है कि जब भी शर्मा आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए राज्य या पड़ोसी राज्यों के किसी जिले का दौरा करते हैं, तो यात्रा के साथ-साथ शोक सभा या शादी जैसे सामाजिक कार्य भी हो सकते हैं।

पाकिस्तान : चुनाव में ...

डेमोक्रेटिक मूवमेंट (एनडीएम) के अध्यक्ष डावर और अन्य लोग घायल हो गए। रैली में हिस्सा लेने वाले एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक पुलिस ने आंदोलनकारियों पर गोलीबारी की और आंसू गैस के गोले भी दागे। डावर अगस्त 2018 से अगस्त 2023 तक नेशनल असेंबली के सदस्य रहे। पश्तून तहफुज मूवमेंट (पीटीएम) के सह संस्थापक डावर नेशनल यूथ ऑर्गेनाइजेशन (एनवाईओ) और अवामी नेशनल पार्टी की सहयोगी इकाई पश्तून स्टूडेंट्स फेडरेशन (पीएसएफ) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। खबरों के अनुसार एक अलग घटना में, शुक्रवार शाम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में चुनावों में *धांधली* के खिलाफ एक प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान मुस्लिम लीग (कायद-ए-आजम समूह) के नेता के सुरक्षाकर्मी द्वारा की गई गोलीबारी में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का एक स्थानीय कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया था। पीटीआई स्थानीय कार्यकर्ताओं ने आठ फरवरी के चुनावों में कथित धांधली के विरोध में एक रैली की और जिला निर्वाचन अधिकारी (डीआरओ) के कार्यालय की ओर विरोध मार्च निकाला।

गरीबों के कल्याण...

आज गुजरात में सवा लाख से ज्यादा परिवारों को अपना घर मिल चुका है, जो दिखाता है कि मोदी की गारंटी, गारंटी को पूरा करने की भी गारंटी है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त कर गरीबी से बाहर आ गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने बजट में 2 करोड़ नए घर बनाने की घोषणा की है। पहले गरीब आवास योजना का पैसा गरीबों तक नहीं पहुंचता था। परंतु आज सारी राशि सीधे लाभार्थी के खाते में जमा होती है और लोग खुशी-खुशी अपने घर में प्रवेश करते हैं। अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने की योजना के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात ने कृषि विकास के साथ-साथ औद्योगिक विकास को नई गति दी है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि अंबाजी में हो रहे विकास कार्यों से आगामी समय में भक्तों और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। साथ ही, अंबाजी-तारंगा रेलवे लाइन के निर्माण से पूरे क्षेत्र को बहुत फायदा होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज राज्य के लाखों परिवारों के घर में गुजराती मिठाई लापसी बनाई जाएगी, यह खुशी की बात है। ये परिवार गृह प्रवेश का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन के प्रेरणास्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। प्रधानमंत्री ने गरीब और वंचित लोगों की चिंता की है और अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प के कारण आज गरीबों का पक्के मकान का सपना भी साकार हो रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने मोरबी जिले के नाना खिजड़िया, राजकोट, वापी और बनासकांठा जिले के कुंभारिया और जलोत्रा गांवों के लाभार्थियों के साथ वर्चुअल संवाद किया। लाभार्थियों ने अपने सपनों का घर साकार करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने *सेल्फी विद मोदीजी* रथ का प्रस्थान कराया। बनासकांठा जिले के *विकसित भारत संकल्प यात्रा* के 2,95,000 लाभार्थियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लिखे गए पोस्टकार्ड जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को सौंपे।

फ्लोर टेस्ट : तेजस्वी ने ...

सीएम तेजस्वी यादव के आधिकारिक आवास पर लाया जा रहा है। फ्लोर टेस्ट से पहले आज शाम पटना में ही आरजेडी विधायकों और महागठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। बताया जा रहा है कि बैठक के बाद नेता यहीं रुके हुए हैं। तेजस्वी यादव ने अपने विधायकों को फ्लोर टेस्ट से पहले महागठबंधन के विधायकों को अपने आवास पर बुलाया। उन्होंने अपने सभी विधायकों को अपने आवास में ही अगले 2 दिनों तक रखने का इंतजाम कर दिया है। 12 फरवरी को होने वाले फ्लोर टेस्ट तक आरजेडी के सभी 79 विधायक तेजस्वी के सरकारी आवास पर ही रहेंगे। खास बात यह है कि इस दौरान विधायकों को मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने की भी इजाजत नहीं होगी। सभी विधायक अपने जरुरी सामान के साथ तेजस्वी के आवास पर चले गए हैं। दिन में तेजस्वी ने अपने सभी विधायकों की एक बैठक बुलाई थी और उसी बैठक के बाद सभी विधायकों को बैग एंड बैगेज के साथ आने को कह दिया गया था। बिहार में फ्लोर टेस्ट के पहले सभी दलों को अपने-अपने विधायकों को सहेज कर रखने की बड़ी चिंता सता रही है। कांग्रेस के 17 विधायक जहां हैदराबाद में है। जबकि भाजपा के विधायक बोधगया में बने हुए हैं। वहीं आरजेडी ने अपने 77 विधायकों को पांच देश रत्न मार्ग स्थित आवास पर तेजस्वी यादव ने जमा कर रखा है। हालांकि नीलम देवी और कुमार सर्वजीत अभी नहीं पहुंचे हैं। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) विधायक नीरज कुमार ने आरजेडी विधायकों के तेजस्वी आवास पर ठहराए जाने को लेकर कहा कि जो डर गया सो मर गया। महागठबंधन का घटक दल हार गया फ्लोर टेस्ट में एनडीए जीत गया। दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने आज शनिवार को कहा कि उन्होंने एक व्हिप जारी कर अपनी पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) के विधायकों से फ्लोर टेस्ट के दौरान सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पक्ष में मतदान करने के लिए कहा है। मांझी ने कहा कि हम पार्टी के सभी 4 विधायक नीतीश कुमार की अगुवाई वाली सरकार के पक्ष में वोटिंग करेंगे। इसके लिए व्हिप की जरुरत नहीं थी, लेकिन सुर्खियों और टीआरपी के पीछे भागने वालों की ओर से पैदा किए गए भ्रम को दूर करने के लिए यह जारी किया गया है।

सरकार जितनी तेजी ...

उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में आक्रोश और आरोप के भी पल आए हैं। इसके बावजूद सभी स्थितियों को संभालते हुए उन्होंने सूझबूझ के साथ सदन को चलाया और हम सबका मार्गदर्शन किया है। प्रधानमंत्री ने सेंगोल को स्थापित करने और इसको सेरेमोनियल बनाने के काम का भी श्रेय अध्यक्ष बिरला को दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत की आने वाली पीढ़ियों को हमेशा-हमेशा उस आजादी के पल से जोड़ कर रखेगा। सदन को पेपरलेस बनाने के लिए भी अध्यक्ष का आभार प्रगट करते हुए उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप 17वीं लोकसभा के दौरान 97 प्रतिशत उत्पादकता रही है। वर्तमान लोकसभा में हुए कार्यों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश सेवा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय किए गए और अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए सबने अपने सामर्थ्य से देश को उचित दिशा देने का प्रयास किया। एक प्रकार से आज का ये दिवस हम सबकी उन 5 वर्ष की वैचारिक यात्रा का राष्ट्र को समर्पित समय का और देश को एक बार फिर से अपने संकल्पों को राष्ट्र के चरणों में समर्पित करने का अवसर है। कोविड के चुनौतीपूर्ण समय को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने संसद सदस्यों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

जेलों में प्रेग्नेंट ...

याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसका मकसत भारतीय जेलों में बढ़ती कैदियों की भीड़ के संकट से निपटना है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गत माह निर्देश जारी कर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया था। इसमें अन्य बातों के अलावा 2016 के मॉडल जेल मैनुअल के अनुसार जेलों में मौजूदा बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन करने और अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता का निर्धारण करने के लिए जिला-स्तरीय समितियों की स्थापना का आदेश दिया गया था। गुरुवार 8 फरवरी को पश्चिम बंगाल की जेलों में महिला कैदियों के गर्भवती होने का मुद्दा हाईकोर्ट में उठाया गया था। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल, जिन्हें जेल में भीड़भाड़ वा

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में आज भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। अभियान के दौरान सोंगजांग गांव के बीच सामान्य क्षेत्र से मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक 7.65 मिमी पिस्तौल, दस 9 मिमी की गोलियां, दो .32 मिमी गोलियां, तीन 9 मिमी के खाली कारतूस और दो .32 मिमी के खाली कारतूस कांगपोकपी जिले के थोंगलांग अकुत्पा गांव में आईटी रोड के किनारे से बरामद की गईं। वहीं सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए एक अन्य अभियान में मैगजीन के साथ एक कार्बाइन मशीन गन, एक इंसास मैगजीन, आठ 5.56 मिमी गोलिया, एक 36 नंबर का हैंड ग्रेनेड, एक 51 मिमी मोर इल्यूमिनेशन राउंड, एक स्थानीय निर्मित पम्पी, दो स्थानीय निर्मित हैंड ग्रेनेड और एक वॉकी-टॉकी एवं चार्जर के साथ कांगपोकपी जिले के चांगौबुंग से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे जिले में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

अखिल गोगोई पागल के बारे में मैं नहीं जानता : बदरुद्दीन अजमल

गुवाहाटी (हिंस)। एआईयूडीएफ सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने अखिल गोगोई को पागल करार देते हुए कहा है कि वे अखिल गोगोई के बारे में कुछ भी नहीं जानते। अजमल आज एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यदि आज भी उनकी पार्टी के साथ गठबंधन करे तो मंगलदै की सीट जीती जा सकती है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनकी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भले ही एआईयूडीएफ पर भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाती हो लेकिन कांग्रेस के रवैया से ही भाजपा को लाभ पहुंचेगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि विपक्ष का गठबंधन धाराशायी हो चुकी है। ममता बनर्जी, नीतीश कुमार अलग हो चुके हैं। आम आदमी पार्टी भी अलग है। समाजवादी पार्टी किसी भी समय अलग हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है। इस दौरान समान नागरिक संहिता से संबंधित सवाल पर अजमल ने कहा कि यह कुरान, गीता, हिंदू ,मुसलमान, क्रिश्चियन आदि सभी का विरोधी है। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि आज मैं धुबड़ी जिले के बिरसिंह जरुवा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत राधुराम चरियाली (फकीरगंज) में एआईयूडीएफ पार्टी के एक कार्यक्रम में उपस्थित था और लोगों को संबोधित कर रहा था। बैठक में बिलासीपाड़ा पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक हाफिज बशीर अहमद कासिमी और गौरीपुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक निजानुर रहमान के अलावा पार्टी की केंद्रीय समिति, ग्वालपाड़ा जिले, धुबड़ी जिले और दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के पदाधिकारी शामिल हुए।

गुवाहाटी में ई-रिक्शा चुराते चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी। गुवाहाटी की सड़कों से ई-रिक्शा चोरी करने की कोशिश करते समय आज एक चोर रंगे हाथों पकड़ा गया। भीड़ चोर को खदेड़ने के बाद पकड़ लिया। जिसे बाद में पुलिस को सौंप दिया गया। ई-रिक्शा चोरी की घटना को लेकर गुवाहाटी के बेलतला में आज सुबह माहौल बेहद हंगामेदार हो गया। खबरों के मुताबिक, गोविंद बिश्वास नामक चालक ने अपने ई-रिक्शा (एएस-01ईआर-2459) सड़क किनारे छोड़कर चाय पीने चला गया था। उसी समय रिंकू अली नामक युवक ई-रिक्शा चोरी कर भागने की कोशिश की। हालांकि, जब रिंकू ई-रिक्शा चुराकर भागने की कोशिश की तो भीड़ ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया। लोगों ने चोर की जमकर पिटाई करने के बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची वशिष्ठ पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असम पुलिस की *फेहुजाली* फिल्म को सर्वश्रेष्ठ लघु वृत्तचित्र का पुरस्कार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस द्वारा निर्मित एवं निर्देशित *फेहुजाली* फिल्म को सर्वश्रेष्ठ लघु वृत्तचित्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। *फेहुजाली* को प्रतिष्ठित 16वें जयपुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2024 में दर्शकों से भरे हाल में प्रदर्शित किया गया, जिसमें प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियां, आलोचक और फिल्म प्रेमी मौजूद थे। फिल्म ने महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ लघु वृत्तचित्र का पुरस्कार भी जीता, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी फिल्म महोत्सव है। 82 देशों की 2971 प्रविष्टियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच, 67 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 326 फिल्मों को नामांकित किया गया था। अंततः जेआईएफएफ 2024 के लिए 19 देशों की 71 फिल्मों के चयन में परिणति हुई, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी जिसे विश्व रिकॉर्ड के रूप में स्वीकार किया गया। असम पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार *फेहुजाली* को शुक्रवार की रात जयपुर में पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डीजीपी, असम के तत्वावधान में तैयार की गई, *फेहुजाली* का निर्देशन डॉ. पार्थसारथी महंत, आईपीएस द्वारा किया गया है, जिसमें अंग्रेजी उपशीर्षक डॉ. जोवियल कलिता द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए गए हैं। जीपी सिंह, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, असम ने कहा कि हमने कुछ युवा लड़कों और लड़कियों को विभिन्न हथकंडों में फंसकर आतंकवादी समूहों के शिविरों में शामिल होते देखा है। हमने उन लोगों के बीच मोहभंग की सच्ची कहानियों को सार्वजनिक डोमेन में लाने का फैसला किया, जो इस तरह के प्रचार अभियान का शिकार हो गए और आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए। वे अपनी आपबीती अन्य समान स्थिति वाले युवाओं के साथ साझा करना चाहते थे, ताकि वे वही गलती न करें जो उन्होंने की थी। यह हमारा प्रयास है कि हम अपने युवाओं को वास्तविकता से परिचित कराएं। निर्देशक डॉ. महंत ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री राज्य के भीतर हाशिए पर रहने वाले युवाओं के संघर्षों पर प्रकाश डालती है, जो चरमपंथी गुटों द्वारा भर्ती रणनीति के रूप में वित्तीय प्रलोभन सहित जबरदस्ती तरीकों को अपनाते हैं। यह कथा असम को भारत से मुक्त कराने के अपने कथित मिशन की निरर्थकता को महसूस करने पर इन व्यक्तियों द्वारा सामना किए गए मोहभंग को उजागर करती है, जो खुद को गलत देशभक्ति का फायदा उठाने वाले विदेशी हितों द्वारा हेरफेर किए गए मोहरे के रूप में पहचानते हैं।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ की ओर से जिला स्तर के अधिवक्ताओं की बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। वकील समाज में प्रभावशाली तत्व हैं। अगर वे भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों को असम के लोगों तक ले जाएंगे तो समाज में लोगों का पार्टी के प्रति विश्वास और बढ़ेगा। ये बातें आज असम सरकार के विधि मंत्री रंजीत कुमार दास ने कही, जो आज भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश मुख्यालय में आयोजित राज्य विधि प्रकोष्ठ की एक विशेष आयोजन बैठक में मुख्य अतिथि थे। दूसरी ओर, मंत्री ने असम में 39 संगठनात्मक बैठकों में अधिवक्ताओं के समारोह और पार्टी में अधिवक्ताओं के संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने राज्यस्तर पर एक मेगा अधिवक्ताओं का समारोह आयोजित करने का भी आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता राज्य विधि प्रकोष्ठ के संयोजक जयंत कुमार गोस्वामी ने की और भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों पर बोलते हुए भाजपा के प्रदेश प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. प्रदीप ठाकुरिया ने संबोधित किया। राज्य संगठन महासचिव रवींद्र राजू ने बैठक में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे का विस्तृत अवलोकन किया, जिसका संचालन लॉ सेल की सह-संयोजक सत्यवती कोंवर ने किया। विशेष संगठनात्मक बैठक में भाजपा के 39 संगठनात्मक जिलों के लगभग तीन सौ अधिवक्ताओं ने भाग लिया, जिसमें राज्य विधि प्रकोष्ठ की संगठनात्मक स्थिति पर सह-संयोजक प्रांजीत सिंह लहकर ने भाग लिया। इस अवसर पर असम के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में समान नागरिक संहिता अधिनियम लागू करके महिलाओं को सामाजिक न्याय प्रदान करना चाहती है और कहा कि वकील समाज में जिम्मेदारी से काम करते हैं और भविष्य में असम की सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करने की वकालत करते हैं। बैठक में भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के महासचिव दिप्लूरंजन शर्मा, राज्य मीडिया सेल के संयोजक देवान ध्रुवज्योति मोरल, राज्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय, विधि प्रकोष्ठ के पूर्व राज्य संयोजक बेनुधर नाथ और अन्य कई नेताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान, असम के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने असम में न्यायिक प्रणाली के ढांचागत विकास के साथ-साथ विधि प्रकोष्ठ के संगठनात्मक पहलुओं के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

ई-कॉमर्स की एमएसएमई संबंधित आयकर कानून पर सेमिनार आयोजित

गुवाहाटी। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), गुवाहाटी शाखा (ईस्ट जोन-1) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 9 फरवरी 2024, शुक्रवार को सायं 7 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में *ई-कॉमर्स* (व्यापार कैसे बढ़ाएं)/ एमएसएमई संबंधित आयकर के नए प्रावधानों की अनुपालना पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था। इस सेमिनार के मुख्य वक्ता के रूप में टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत एवं गुवाहाटी के सीए सुनील शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। तत्पश्चात श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बजरंग जी सुराणा ने इस सेमिनार में बेंगलुरु से पधारे। हिम्मत मंडोत, कोलकाता से पधारे धर्मचंद धाड़ेवा, सुनील शर्मा एवं सेमिनार में पधारे व्यापारी गणों तथा समाज बंधुओं का स्वागत किया। तेरापंथ प्रोफेशनल फॉर्म गुवाहाटी के अध्यक्ष संतोष पुगलिया ने बताया कि इस सेमिनार से व्यापारीगण यह जान पाएंगे कि वह ई-कॉमर्स के माध्यम से अपने

बिजनेस को कैसे बड़ा कर सकते हैं। इसके साथ ही एमएसएमई संबंधित जो इनकम टैक्स का नया प्रावधान आया है। उसकी अनुपालना कैसे करनी है, इसकी भी जानकारी होगी। कोलकाता से पधारे धर्म चंद धाड़ेवा ने तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम की गतिविधियों के बारे में सभा को अवगत कराया। इसके बाद पवन लोढा ने हिम्मत मंडोत का संक्षिप्त परिचय दिया तथा सभा अध्यक्ष बजरंग सुराणा ने फुलाम गमछा से हिम्मत मंडोत का अभिनंदन किया। हिम्मत मंडोत ने मुख्य रूप से सही बिजनेस मॉडल का चयन कैसे करें, खुद का ब्रांड कैसे बनाएं, ऑनलाइन बाजार कितना बड़ा है, ऑनलाइन व्यापार से पैसे कैसे कमाएं,आदि विषयों पर प्रकाश डाला तथा इससे संबंधित लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। सुनील शर्मा का संक्षिप्त परिचय पंकज भूरा ने दिया तथा टीएफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल कोटेचा तथा टीपीए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज नाहटा ने फुलाम गमछा तथा मोमेंटो से उनका स्वागत किया। सुनील शर्मा ने एमएसएमई से जुड़ी आयकर अधिनियम की धारा 43बी (एच) को बारीकी से समझाया। व्यापारी वर्ग में इस धारा को लेकर बहुत ही उहापोह की स्थिति थी परंतु सुनील शर्मा ने बहुत ही सुंदर ढंग से इस धारा की विवेचना की तथा लोगों की समस्त जिज्ञासाओं का बहुत ही सुंदर ढंग से निवारण किया। इस सेमिनार में विभिन्न व्यावसायिक संगठनों तथा व्यापार जगत से पधारे लगभग 200 व्यवसायियों ने भाग लिया तथा इसका लाभ उठाया। टीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज नहाटा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह प्रावधान वैसे तो एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए है परंतु इतने कड़े नियमों की अनुपालन मुश्किल ही नहीं बल्कि कुछ हद तक असंभव सी प्रतीत होती है। अतः सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न व्यापारी वर्गों से इस संबंध में सरकार को ज्ञापन देने की भी अपील की। सेमिनार में पधारे सभी बंधुओं ने इस कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा व्यापारी वर्ग की जागरूकता के लिए भविष्य में इस तरह के और भी कार्यक्रम करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का सफल संचालन राजेश सुराणा ने किया। टीपीएफ के मंत्री पुखराज सेठिया ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सभा में पधारे सभी महानुभावों का धन्यवाद किया।

आत्मा का प्रोफेशनल टैक्स पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। आसाम टेक्सटाइल्स मर्चेंट्स एसोसिएशन (आत्मा) के तत्वावधान में प्रोफेशनल टैक्स पर आज सांगानेरिया धर्मशाला में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस मौके पर राज्य जीएसटी के सहायक कर आयुक्त (यूनिट-बी) नयन ज्योति बोरा, डॉ. मैरी मोंजिर इंग्तिपी, राज्य कर अधीक्षक ब्रीजेन डेका, जुएल कलिता, प्रीति जैन, जिंतुमणि बर्मन व ज्योतिष दैमारी मौजूद थे। आत्मा के अध्यक्ष शुभकरन मालू ने सभी अधिकारियों सहित व्यापारी भाइयों का स्वागत किया। इस मौके पर संस्था के सचिव नरेश काशलिवाल, कार्यवाहक अध्यक्ष अरविंद केजरिवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया।

जागरूकता सभा में का संचालन आत्मा के जनसंपर्क अधिकारी ताराचंद ठोल्या ने किया। कार्यक्रम में जीएसटी यूनिट-बी के सहायक आयुक्त नयन ज्योति बोरा ने व्यापारियों से आह्वान किया कि वे लोग प्रोफेशनल टैक्स समय पर भर कर राष्ट्र निर्माण में सरकार की मदद करें। उन्होंने कहा कि हर व्यापारी को प्रोफेशनल टैक्स में वार्षिक पंजीयन कराना अनिवार्य हैं। साथ ही उनके यहां कार्यरत कर्मचारियों को भी प्रोफेशनल टैक्स का भुगतान उनके वेतन के आधार पर दिए गए स्लैब के अनुसार प्रतिमाह करना होगा। हालांकि 10 हजार रुपए तक का वेतन पाने वालों पर प्रोफेशनल टैक्स लागू नहीं होता।

करीमगंज में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इस आशय की जानकारी आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए दी। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर करीमगंज पुलिस द्वारा राताबारी क्षेत्र में मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वाहन के गुप्त कक्ष से हेरोइन से भरे 12 साबुनदानी और 19 हजार 800 याबा टैबलेट बरामद किए गए। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने ड्रग्स बरामदगी के लिए असम पुलिस को बधाई दी है।

रेसुब ने 6 नाबालिकों और दो महिलाओं को बचाया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने पूसीरे के रेलवे स्टेशनों और विभिन्न ट्रेनों में 6 से 8 फरवरी तक चलाये गये जांच अभियान के दौरान 06 नाबालिकों और दो महिलाओं को सफलतापूर्वक बचाया। चालू वर्ष के जनवरी माह में रेसुब ने दो मानव तस्करों की गिरफ्तारी के साथ 41 नाबालिग लड़कों एवं लड़कियों और छह महिलाओं को बचाया था। बचाये गये बच्चों एवं महिलाओं को संबंधित चाइल्ड लाइन/एनजीओ, माता-पिता या जीआरपी को सौंप दिया गया। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि गत सात फरवरी की एक घटना में, रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन के रेसुब कर्मियों ने रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन से एक महिला के साथ फरार दो नाबालिगों को बचाया। उसी दिन, न्यू कोचबिहार स्टेशन के रेसुब कर्मियों ने न्यू कोचबिहार स्टेशन से भागी हुई एक नाबालिग लड़की को बचाया। महिला सहित बचाये गये सभी नाबालिकों को उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए जीआरपी/रंगापाड़ा नॉर्थ और कोचबिहार के एक गैर सरकारी संगठन को सौंप दिया गया। इसी तरह गत छह फरवरी की घटना

में अलीपुरद्वार जंक्शन, न्यू बंगाईगांव और धर्मनगर रेलवे स्टेशनों के रेसुब की टीमों ने संबंधित रेलवे स्टेशनों पर तलाशी अभियान चलाई। तलाशी के दौरान उनलोगों ने संबंधित रेलवे स्टेशन से एक-एक यानी कुल तीन नाबालिकों को बचाया। बाद में, बचाये गये नाबालिकों को सुरक्षित अभिरक्षा के लिए चाइल्डलाइन और माता-पिता को सौंप दिया गया। वहीं गत आठ फरवरी को चापरमुख रेलवे स्टेशन की रेसुब ने चापरमुख रेलवे स्टेशन से भागी हुई एक महिला को उद्धार किया। पूसीरे की *मेरी सहेली* रेसुब टीम ट्रेनों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सहायता प्रदान करती है।

बीटीसी में मनाया गया 22वां बोड़ोलैंड समझौता दिवस

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले में फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ के नेतृत्व में आज 22वां बोड़ोलैंड समझौता दिवस मनाया गया। इस समझौता दिवस के मौके पर बीपीएफ के चीफ एवं बीटीसी के पूर्व प्रमुख हग्रामा महिलारी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारो के साथ हुए एक साक्षतकार बताया कि बोड़ोलैंड समझौता दिवस के कारण प्रमोद बोड़ो आज सत्ता में बैठ पाए हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आज बीटीसी के 40 क्षेत्रों में बीपीएफ ब्लॉक समिति के नेतृत्व में 22वां बोड़ोलैंड समझौता दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में बीटीसी के दोनों सीटों पर बीपीएफ जीत दर्ज करेगी। वहीं आज सुबह बीटीसी सचिवालय के बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म के प्रतिमूर्ति पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई। जहां हग्रामा महिला पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद देवरगांव सहित शहीद समाधि स्थल में तिरंगा फहराया गया। शहीद के समाधी स्थलप हग्रामा महिलारी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। समझौता दिवस के मौके पर फकीराग्राम बीपीएफ ब्लॉक समिति के अध्यक्ष इनामूल हक, सचिव पुल्केस राय सहित बीपीएफ के नेता व कर्मीगण उपस्थित थे।

अवैध सायरन समेत बत्ती लगी 10 लग्जरी वाहन जब्त

गुवाहाटी। गुवाहाटी में अवैध सायरन, बत्ती लगाने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ पुलिस अभियान चलाएगी। ये बातें आज गुवाहाटी के वशिष्ठ थाने में मीडिया को संबोधित करते हुए पुलिस उपायुक्त (यातायात) ने कही। ज्ञात हो कि गत 26 जनवरी को एक व्यक्ति की हिट एंड रन मामले में मौत हो गई थी। वीडियो फुटेज में ठोकर मारने वाले काले रंग के वाहन पर सायरन एवं लाल-नीली लाइट लगी हे के साथ ही असम सरकार का साइन बोर्ड लगा हुआ था। पुलिस इसकी बारिकी से जांच शुरू की, जिसके चलते बीती रात को पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए वाहन को जब्त करने के साथ ही आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि लग्जरी वाहनों में अवैध रूप से सायरन एवं लाइटें लगाकर शहर में चलने वाला एक संगठित गिरोह सक्रिय है। डीसीपी ने आज मीडिया को बताया कि अरिन कटकी गुवाहाटी में चल रहे सायरन गैंग के सदस्यों में से एक है। जिसे गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। अरिन कटकी के कबूलनामे के आधार पर ट्रैफिक पुलिस ने बीती रात सघन छापामारी की। उसकी स्वीकारोक्ति के आधार पर अब तक 10

गुवाहाटी हिट एंड रन मामले में गिरफ्तार युवक जमानत पर रिहा

लग्जरी (एएस-01एपएप-0555 स्कॉर्पियो, एएस-01डीएल-3986 इनोवा (विधानसभा का स्टिकर लगा), एएस-01एफबी-7007 इनोवा (भारत सरकार द्वारा लिखित), एएस-01एफएच-4729 स्कॉर्पियो (पुलिस स्टीकर), एएस-01एफई-8888 स्कॉर्पियो (संशोधित), एएस-03एबी-4772 स्कॉर्पियो (पुलिस कार पास स्टिकर), एएस-01एफक्यू-1001 थार, एएस-01एफक्यू-1882 इनोवा, एएस-01ईएस-4444 थार, एएस-01डीजे-2277 फॉर्च्यूनर) गाड़ियां जब्त की जा चुकी हैं। इन वाहनों में इस्तेमाल होने वाले सायरन और लाल-नीली बत्ती के संबंध में भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अरिन कटकी के दो वाहन जब्त किए गए हैं। दोनों के नंबर प्लेट पर *असम सरकार* अंकित है। हादसे के सिलसिले में ओरिन काटकी समेत सायरन गैंग के तीन और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। ओरिन के विरुद्ध आईपीसी की धारा 201/304 के तहत दर्ज प्राथमिकी में गैर-जमानती धाराएं नहीं जोड़े जाने के कारण उसे आज जमानत मिल गई। यातायात पुलिस के शीर्ष अधिकारी जब्त वाहनों की निगरानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी पुलिस ने शुक्रवार को दो सप्ताह पूर्व हिट एंड रन मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया था। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गत 26 जनवरी की रात लगभग 8:30 बजे नरबहादुर थापा (54) को बसिष्ठ थाना अंतर्गत नालापारा के पास एनएच-27 पर एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिससे व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल व्यक्ति को सड़क पर लावारिस हालत में छोड़कर संबंधित वाहन मौके से भागने में सफल रहा। इस संबंध में राजधानी के बशिष्ठ थाना में धारा 279/304(ए) आईपीसी के तहत केस संख्या 62/24 दर्ज किया गया। जांच के दौरान, यह पता चला कि संदिग्ध वाहन पर लाल/नीली बत्ती लगी हुई थी, जैसा कि पुलिस वाहनों में उपयोग किया जाता है। उसमें सायरन जैसे उपकरण भी लगे हुए थे। पुलिस को पता नहीं था कि ऐसे उपकरणों से सुसज्जित यह पुलिस वाहन था या कोई निजी वाहन। पुलिस ने अपनी जांच जारी रखी। अंततः एक निजी स्कॉर्पियो वाहन की संभावित संलिप्तता के बारे में सुराग मिला। तदनुसार, गुवाहाटी के दिसपुर स्थित छह माइल, वीआईपी रोड के रूपकोंवर पथ के अरिन कटकी (20) को गिरफ्तार कर लिया गया। गहन पूछताछ की गई, जिसके चलते हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने अपराध कबूल कर लिया। जांच के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर, पुलिस ने स्कॉर्पियो (काला) वाहन (एएस-01एफएफ-05555) को बरामद किया, जो 26 जनवरी को हिट एंड रन की घटना में शामिल था। गाड़ी को छह माइल में एक गैरेज में छिपाकर रखा गया था। हैरानी की बात तो यह है कि इस निजी स्कॉर्पियो गाड़ी पर *गवर्नमेंट आफ असम* लिखा था। वाहन पर लाल/नीली चेतावनी लाइटें और सायरन लगा हुआ पाया गया। जांच के दौरान, मामले में सबूतों को नष्ट करने और गैर इरादतन हत्या के लिए आईपीसी की धारा 201/304 यानी नई दंडात्मक धाराएं जोड़ी गईं। 20 वर्षीय आरोपित ड्राइवर अरिन कटकी वर्तमान में यूएसटीएम, मेघालय से बीए/एलएलबी कर रहा है। वह पूरी तरह से अनुशासनहीन जीवन जी रहा है। आरोपित के पिता प्रांजल कटकी (58), वर्तमान में वन संसाधन और सर्वेक्षण प्रभाग में सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) के रूप में तैनात हैं। प्रांजल कटकी के दोनों निजी वाहनों पर *असम सरकार* लिखा हुआ है। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई की जा रही।

संपादकीय

एक देश, एक संहिता क्यों?

समान नागरिक संहिता न तो सही है और न ही पूरी तरह गलत है। इसे लागू करने की भी जल्दी नहीं है, क्योंकि न तो संवैधानिक बाध्यता है और न ही तुरंत आवश्यकता है। गोवा भाजपा-शासित राज्य है, वहां नागरिक संहिता कानून के तौर पर लागू है। उत्तराखंड विधानसभा में नागरिक संहिता का बिल पेश किया जा चुका है। वह पारित भी हो जाएगा। गुजरात और असम ने भी ऐसी ही जुबान बोलनी शुरू कर दी है। ये सभी भाजपाई राज्य हैं। ऐसा नहीं है कि विवाह, तलाक और उत्तराधिकार संबंधी लैंगिक अन्याय को किसी ने संबोधित नहीं किया। केरल का उदाहरण सामने है, जहां 1975 में हिंदू विवाह कानून में संशोधन कर उत्तराधिकार अधिकारों में महिला को समानता दी गई। दक्षिणी राज्यों और महाराष्ट्र ने भी उसका अनुसरण किया और कानून में सुधार किया। लैंगिक अपराध और दोष अब भी होंगे। ऐसा भी नहीं है कि लिव इन रिलेशनशिप की आड़ में ऐयाशी और टाइम पास संबंधों पर लगाम कसने के लिए समान नागरिक संहिता ही एकमात्र विकल्प है। उसके लिए अलग बिल पारित कर कानून बनाया जा सकता है। लिव इन के लिए बाकायदा पंजीकरण या माता-पिता की सहमति आदि के जो प्रावधान उत्तराखंड बिल में किए गए हैं, वे तत्संबंधी कानून में भी किए जा सकते हैं। वैसे भी लिव इन को नियंत्रित करने और विनियमित करने का काम नागरिक संहिता का नहीं है। यह नैतिक-पुलिस का ही उदाहरण है। बिल के मुताबिक, यदि लिव इन के पंजीकरण में विलंब होता है, तो आपको जेल में डाला जा सकता है और जुर्माना भी ठोंका जा सकता है। लिव इन संबंधी प्रावधान मध्यकालीन सामाजिक संहिता के हिस्से लगते हैं। बहरहाल ऐसा भी नहीं है कि समान नागरिक संहिता से भारतीय जीवन पर पश्चिमी संस्कृति के अंधड़ के प्रभाव नहीं पड़ेंगे अथवा उनसे मुक्त हुआ जा सकेगा। हम तो संविधान और लोकतंत्र के लिए पश्चिम के ही मुखापेक्षी रहे हैं। सांस्कृतिक निशान कैसे मिट सकते हैं? सिर्फ बहुविवाह, हलाला, विवाह-तलाक के समान अधिकार और उत्तराधिकार के लिए, एक राज्य के स्तर पर, नागरिक संहिता की कोई तार्किकता नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता को रखा गया है और सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह अपने नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करेगी। दरअसल जब संविधान बनाया जा रहा था और आज की सामाजिक, पारिवारिक, धार्मिक परिस्थितियों में बड़े गहरे फासले हैं। संविधान में भी 100 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं। सर्वोच्च अदालत ने भी नागरिक संहिता लागू करने की पैरवी की है। उसके कथन का नए सिरे से अध्ययन और मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यदि देश में एक ही नागरिक संहिता की जरूरत है, तो केंद्र की मोदी सरकार नए जनादेश के बाद उस पर कार्रवाई शुरू करे। चुनावों से पहले राज्य-दर-राज्य में इसे लागू करना 'अन्याय की राजनीति' है, क्योंकि एक बहुत बड़ा भारतीय वर्ग इसके खिलाफ है। वे सडक़ों पर उतरेंगे, आंदोलन करेंगे, अराजकता और कानूनहीनता फैलेगी। क्या आम चुनाव से पहले ऐसा माहौल बनाना भी राजनीतिक रणनीति है? दरअसल समान नागरिक संहिता 1951 में 'जनसंघ' के गठन से ही प्रमुख बुनियादी एजेंडे का हिस्सा रही है। भाजपा ने भी उसे धारण किया और चुनाव घोषणा-पत्रों में भी उसे शामिल रखा। अब भाजपा देश के 17-18 राज्यों में सत्तारूढ़ है, केंद्र में भी बीते 10 साल से उसकी सरकार है, लिहाजा वह एजेंडा पूरा किया जा रहा है। एजेंडे में से अनुच्छेद 370 पूरा किया जा चुका है। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से भगाने का एजेंडा फिलहाल हाशिए पर है। अयोध्या राम मंदिर बन रहा है। अब समान नागरिक संहिता की बारी है। यदि इरादा सामाजिक परिवर्तन और समरूपता का है, तो नागरिक संहिता 'राष्ट्रीय' होनी चाहिए। राज्य स्तर पर प्रयासों से क्रांतिकारी बदलाव संभव नहीं।

> गोवा भाजपा-शासित राज्य है, वहां नागरिक संहिता कानून के तौर पर लागू है। उत्तराखंड विधानसभा में नागरिक संहिता का बिल पेश किया जा चुका है। वह पारित भी हो जाएगा। गुजरात और असम ने भी ऐसी ही जुबान बोलनी शुरू कर दी है। ये सभी भाजपाई राज्य हैं। ऐसा नहीं है कि विवाह, तलाक और उत्तराधिकार संबंधी लैंगिक अन्याय को किसी ने संबोधित नहीं किया। केरल का उदाहरण सामने है, जहां 1975 में हिंदू विवाह कानून में संशोधन कर उत्तराधिकार अधिकारों में महिला को समानता दी गई। दक्षिणी राज्यों और महाराष्ट्र ने भी उसका अनुसरण किया और कानून में सुधार किया। लैंगिक अपराध और दोष अब भी होंगे। ऐसा भी नहीं है कि लिव इन रिलेशनशिप की आड़ में ऐयाशी और टाइम पास संबंधों पर लगाम कसने के लिए समान नागरिक संहिता ही एकमात्र विकल्प है। उसके लिए अलग बिल पारित कर कानून बनाया जा सकता है। लिव इन के लिए बाकायदा पंजीकरण या माता-पिता की सहमति आदि के जो प्रावधान उत्तराखंड बिल में किए गए हैं, वे तत्संबंधी कानून में भी किए जा सकते हैं। वैसे भी लिव इन को नियंत्रित करने और विनियमित करने का काम नागरिक संहिता का नहीं है। यह नैतिक-पुलिस का ही उदाहरण है।

भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा, ये मोदी की गारंटी है

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास से विपक्ष में बेचैनी

आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच फरवरी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण में कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल 1,000 सालों की नींव रखने का काम करेगा और उसमें बहुत बड़े फैसले होंगे। इससे पहले दो फरवरी को 'इंडिया मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीसरे कार्यकाल की योजनाओं के बारे में बताया था। उनके तीसरे कार्यकाल की बात करने पर लोग लगातार तालियां बजाते रहें। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि समझदार को इशारा ही काफी होता है। 26 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में नए इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम के उद्घाटन के अवसर पर कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा, ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और भाषणों में झलकता आत्मविश्वास विपक्ष की बेचैनी का बड़ा कारण है। बीते साल प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर ऐलान किया था कि अगले साल वे फिर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे और अपनी उपलब्धियों का ब्योरा पेश करेंगे। लेकिन यह अहंकार नहीं है। यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसी बात विपक्षी पार्टियां कर रही हैं। वास्तव में यह अहंकार का नहीं, बल्कि दोनों तरफ आत्मविश्वास का मामला है। एक तरफ विपक्ष इस आत्मविश्वास से भरा है कि अगले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत होगी तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी इस भरोसे में हैं कि वे तीसरी और ऐतिहासिक जीत हासिल कर पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। केवल प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों में ही नहीं, बल्कि उनकी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी वर्ष में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश अंतरिम बजट में भी सरकार का आत्मविश्वास झलकता है। उसमें देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का परिचय भी मिलता है। यह एक ऐसा अंतरिम बजट है, जिसमें सरकार ने चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई लोकलुभावन घोषणा नहीं की। ध्यान रहे 2019 के अंतरिम बजट में कई लोकलुभावन घोषणाएं की गई थीं। इस बार ऐसा कुछ नहीं किया गया। इसका मतलब है कि सरकार मानकर चल रही है कि जनता को उस पर भरोसा है कि वह देशहित में सही दिशा में काम कर रही है। विकास की राजनीति का यह एक नया उदाहरण है। जब सामने लगातार तीसरी पारी की लड़ाई का मैदान सज रहा हो और यह

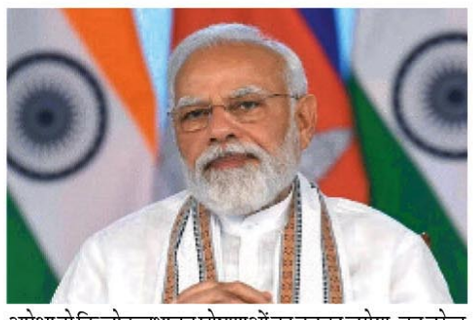

अपेक्षा हो कि लोकलुभावन घोषणाओं का तड़का लगेगा, तब नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से सामाजिक न्याय व समानता के अवसर पैदा करते हुए भविष्य के विकसित भारत का संकल्प दोहराना यह स्पष्ट करता है कि केंद्र में वापसी का विश्वास लबालब है। प्रधानमंत्री मोदी लोकलुभावन घोषणाओं के जरिए नहीं बल्कि अपने दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड, जो कहा सो पूरा किया के नारे के साथ ही जनता से समर्थन चाहते हैं। मोदी-2 की सरकार ने आते ही जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की विदाई कर दी। राम मंदिर का रास्ता साफ किया और सीएए, एनआरसी जैसे कानून लेकर आई। मोदी-2 कार्यकाल की विदाई के चार महीने पहले अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी की मार से बाहर निकले हैं। ग्रामीण स्तर पर वह सारी सुविधाएं पहुंच रही हैं जो पहले छोटे शहरों तक में उपलब्ध नहीं थीं। आयुष्मान योजना के परिणाम भी बहुत अच्छे हैं। सड़क, रेल और हवाई यातायात का परिदृश्य बदल रहा है। मैन्यूफैक्चरिंग के कारण रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं। लोगों की औसत आय में 50 फीसद की बढ़ोतरी हुई है और सामान्य रूप से यह विमर्श बना है कि देश बदल रहा है, आने वाले समय में दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक बनेगा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि देश आत्मविश्वास से भर रहा है और गौरव से भर रहा है। आज पूरे विश्व में भारत को लेकर सकारात्मकता, आशा, भरोसा बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी की अपार लोकप्रियता और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बने माहौल को देखते हुए केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्डियन में यह संभावना जताने के साथ ही कहा गया है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में जीत ने पार्टी की ताकत को और बढ़ाया ही है। अखबार में हन्ना एलिस पीटरसन के कॉलम में कहा गया है कि तीन राज्यों की जीत लोकसभा में भाजपा की संभावनाओं को और मजबूत करने वाली है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी खुद इस विधानसभा चुनाव की जीत को 2024 में जीत की गारंटी बता चुके हैं। लेख में कहा गया है कि विपक्षी दलों की तरफ से कुछ ही माह पहले बनाया गया गठबंधन भले ही सामूहिक रूप से भाजपा के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जता रहा हो लेकिन वह अभी भी एकजुट नहीं हो पाया है। प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास के पीछे का कारण केवल खोखली राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। इसके ठोस कारण हैं। पिछले दस वर्षों में जिस तरह से अलग-अलग क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भर हुआ है, उसने यह शक्ति प्रधानमंत्री मोदी को दी है। न सिर्फ घरेलू मोर्चे पर भारत की उत्पादकता बढ़ी है बल्कि उसने कई क्षेत्रों में निर्यात भी शुरू किया है। अब से कुछ दशक पहले भारत हर छोटी-बड़ी चीज के लिए विश्व के उन देशों का भी मुंह ताकत रहा, जो किसी न किसी तरीके से अपना हित साधने के लिए तमाम अंतरराष्ट्रीय उठापटक के लिए जिम्मेदार होते थे। मोदी सरकार की नीतियों ने ऐसे देशों की शक्ति और वर्चस्व वास्तव में कम की है और भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर विश्व पटल पर खड़ा किया है। आज विश्व के तमाम बड़े, शक्तिशाली और उन्नत देश भी भारत की बढ़ती शक्ति, वर्चस्व और प्रभाव को स्वीकार रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 'भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण' को देश का सबसे बड़ा दुश्मन मानते हैं। उन्होंने अपने कार्यों के दम पर समूचे विपक्ष को इन्हीं तीन चीजों के दायरे में समेटा है। विपक्ष को इसका उत्तर देशवासियों को देना होगा। इसके अलावा सरकार की योजनाएं हैं, करोड़ों लाभार्थी हैं, भाजपा की मशीनरी है, संसाधन है, मोदी का व्यक्तित्व है, उनकी प्रचार करने और भाषण देने की अद्भुत क्षमता है और ऐसी अनेक चीजें हैं, जो उनको आत्मविश्वास देती हैं। मोदी सरकार सिर्फ रिपोर्ट कार्ड के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सजाए जा रहे मैदान में उतरने वाली है। विपक्षी गठबंधन का हाल देश की जनता देख ही रही है। सीटों के बंटवारे और तुच्छ स्वार्थों के लिए जिस तरह विपक्षी दल आपस में लड़ रहे हैं, उससे उनकी नीति और नीयत साफ तौर पर दिखाई देती है। विपक्षी दल जनता की सेवा करने या उसके मुद्दे उठाने की बजाय खुद को भ्रष्टाचार से बचाने की जुगत में लगे हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं।

> लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण में कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल 1,000 सालों की नींव रखने का काम करेगा और उसमें बहुत बड़े फैसले होंगे। इससे पहले दो फरवरी को 'इंडिया मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीसरे कार्यकाल की योजनाओं के बारे में बताया था। उनके तीसरे कार्यकाल की बात करने पर लोग लगातार तालियां बजाते रहें। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि समझदार को इशारा ही काफी होता है।

दृष्टि कोण

जेब में चने, तो रिश्ते घने

जीवन है तो संघर्ष तो होगा ही, समस्याएं तो होंगी ही, चुनौतियां तो होंगी ही, और यही नहीं, जीवन में कुछ ऐसे लोग भी मिलेंगे जो बिना कारण हमारा दिल दुखा दें, अपमान कर दें, और उनको समझाना या उनसे दूर हो जाना कठिन हो। हमारा कोई करीबी रिश्तेदार ही ऐसा हो सकता है जो हमेशा हमारी आलोचना करता रहे, हम में कमियां निकालता रहे, और उस रिश्ते की वजह से उन्हें छोडऩा या उनसे दूर हो जाना संभव न हो। ऐसे में निराशा भी होती है, दुख भी होता है और गुस्सा भी आता है। सवाल ये है कि जब कोई हमारी बात न माने, या न समझे तो क्या करें? जब कोई हमारा अपमान कर दे तो क्या करें? गुस्सा आए तो क्या करें? मैं जब छोटा था तो मैंने अपने पिताजी से एक महत्वपूर्ण सबक सीखा। वो हमेशा अपने कुर्ते की जेब में भुने हुए चने रखा करते थे। जेब में हाथ डालना आसान होता है, इसलिए चने हमेशा उनकी पहुंच में होते थे। उन्होंने इसे इस हद तक अपनी आदत में शामिल कर लिया था कि जीवन की कोई भी कठिन परिस्थिति होती या अगर कभी कोई उन्हें कोई कड़वी बात कहता तो उनका हाथ अपने आप जेब में चला जाता और वे चने निकाल कर चबाने लगते। इस आदत के दो लाभ थे। चने चबाना सेहत के लिए अच्छा है जो उन्हें स्वस्थ बनाए रखता और इतनी ऊर्जा और शक्ति देता कि वे दिन भर का अपना काम आसानी से कर सकें, लेकिन सबसे बड़ी बात यह थी कि जब कभी उन्हें कुछ कड़वी बात सुनने को मिलती और वे आदतन चने चबाने लगते तो लाभ ये होता था कि वे एकदम से अपमानजनक बात का जवाब देने के बजाय ये सोच लेते कि उन्हें क्या जवाब देना है, जवाब कैसे देना है, किन शब्दों में देना है, और जवाब देना भी है या चुप रह जाना है। अक्सर वो सामने वाले की आंखों में झांकते और बड़े विश्वास से पूछते .. 'आर यू ओके? आप ठीक तो हैं न?' अक्सर ये जवाब नश्तर की तरह काम करता और सामने वाला हड़बड़ा जाता। जीवन की बहुत सी ऐसी स्थितियां होती हैं जो हमें नए सबक सिखाती हैं, बशर्ते कि हम सीखने के लिए तैयार हों। अगर हम आवश्यक सबक सीख लेते हैं तो वैसी स्थिति दोबारा आने पर उससे पार पाना बहुत आसान हो जाता है और अगर हम वह आवश्यक सबक नहीं सीखते तो वैसी स्थिति जीवन में बार-बार आती रहती है और हम एक कठपुतली की तरह किसी दूसरे के इशारों पर नाचने के लिए मजबूर बने रहते हैं। इसे समझना आवश्यक है। हम सब जानते हैं कि अदालतों में वकील लोग अपने विपक्षी पक्ष के गवाहों को तोडने के लिए अक्सर उन्हें गुस्सा दिलाते हैं। उनसे सवाल पूछते हुए जानबूझ कर ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जिससे गवाह को गुस्सा आ जाए, और गुस्से में गवाह वो बातें भी बोल जाता है जो वह अन्यथा कभी न बताता। गुस्सा आने पर हमारा खुद से नियंत्रण हट जाता है और सामने वाला व्यक्ति हमें मनचाहे ढंग से नचा सकता है, हमें मैनिपुलेट कर सकता है, हमसे अनचाहे काम करवा सकता है। आज के आधुनिक युग में जेब में चने रखना शायद संभव न हो तो उसका भी इलाज है। हम अपने किसी बड़े अधिकारी के पास बैठे हों, अपने किसी क्लायंट के पास बैठे हों और कोई असहज स्थिति उत्पन्न हो जाए तो चने चबाना संभव नहीं है। इलाज यह है कि किसी ऐसी जेब में, जहां हाथ आसानी से पहुंच सकता हो, शालिग्राम रखें, बुद्ध की मूर्ति रखें, अपने किसी इष्ट देव की छोटी सी मिनियेचर मूर्ति रखें, या कुछ सिक्के ही रखें और उन तक हाथ ले जाएं। जब यह एक आदत बन जाएगी तो हम रियेक्ट नहीं करेंगे, एकदम से फट नहीं पड़ेंगे, कुछ उल्टा-सीधा नहीं बोल देंगे और सोच-समझ कर, तोल-मोल कर जवाब दे सकेंगे। ऐसा करेंगे तो जीवन में कभी बाद में पछताना नहीं पड़ेगा। एक और बड़ी बात। हमारा दिमाग कल्पना में और असलियत में फर्क नहीं करता। खुद ही एक प्रयोग करके देख सकते हैं, कभी भी, कहीं भी। हम अगर मन में कल्पना करें कि हम कहीं जा रहे हैं और अचानक से फिसल कर गिर गए तो हम पाएंगे कि हमने गिरने की सिर्फ कल्पना की, लेकिन शरीर यूं सिहर गया मानो सचमुच गिर ही गए हों। कल्पना का यही कमाल है। हम इसे अपने जीवन में अपने लाभ के लिए भी अपना सकते हैं। कोई असहज स्थिति आए, कोई हमें कोई कड़वी बात कह दे, कोई हमारा अपमान कर दे, कोई बहुत समझाने पर भी हमारी बात न समझे, हमें गुस्सा आ रहा हो, तो बस हम कल्पना करें कि जेब में चने पड़े हैं, या हमारे इष्टदेव की मूर्ति पड़ी है, या कुछ सिक्के पड़े हैं और हम उन्हें टटोल रहे हैं। इस कल्पना की आदत डाल लेंगे तो फिर सारा काम आसान हो जाएगा, सारा काम खुद-ब-खुद होने लग जाएगा। कुछ भी जवाब देने से पहले हमें सोचने का वक्त मिल जाएगा और हम ऐसी कोई उल्टी-सीधी बात कहने से बच जाएंगे जिसके लिए हमें बाद में पछताना पड़ता। ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी, आसान और अच्छी आदतें और भी हैं। जब भी हमें हमारे कोई परिचित मिलें तो हम मुस्कुरा कर उनका स्वागत करें, मुस्कुराते हुए बातचीत करें तो उनके मन पर हमारा प्रभाव हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा, पक्की छाप छोड़ेगा। लोग अक्सर पीठ पीछे किसी की बुराई करते हैं। इसके बजाय पीठ पीछे लोगों की प्रशंसा करने की आदत अपना लें तो यह बात घूम फिर कर कभी न कभी उस व्यक्ति तक पहुंच ही जाती है जिसकी हमने प्रशंसा की थी, और हम पीठ पीछे जिसकी प्रशंसा करते हैं, वह हमेशा के लिए हमारा मुरीद हो जाता है।

कुछ अलग

नए कोट की तलाश

प्रिय मित्रो, हमें लगता है अब इस नए जमाने में आपको अपनी पुरानी सोच का परित्याग करना पड़ेगा। जो कल अच्छा था वह अब समय बीतने के साथ बोसीदा हो गया है। अब इसे सुधारने का प्रयास करोगे, तो ऐसे लगेगा कि जैसे आप अपने उधड़े हुए कोट के बखिये मरम्मत करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस मरम्मत को क्या कहें? एक ओर से बखिया सीते हैं तो दूसरी ओर से उधड़ जाता है। क्यों न जो कोट इन सदियों जैसे बरसों से हम पर लदा है और हमें फटीचर हो जाने का एहसास करवा रहा है, जी हां, क्यों न इसे उठा कर एक ओर फेंक दिया जाए और इसकी जगह एक बिल्कुल नया कोट पहन लिया जाए। माशा अल्लाह। बात देश के अस्सी प्रतिशत लोगों की गरीबी या उनकी बढ़ती महंगाई की मार या उन पर लदे बेकारी के बढ़ते बोझ को घटाने की हो रही थी, और आप फटे पुराने कोट की उधडऩ सीने की जगह नए कोट की तलाश में चल दिए। अजी हम कहां चले हैं? यह बेनूर आंखें और बेसहारा कदम ही नई जिंदगी की तलाश में भटक कर हमें बताते हैं कि अरे, पुराने फटे कोटों की उधडऩ को रो रहे हो, अपनी मैली कमीज और फटी बनियान की फिक्र करो। कहीं वह भी नदारद न हो जाए। क्योंकि इसकी मौजूदा हालत में तो इसे कोई गिरवी रख कर भी आपको एक जून पेट भरने का वसीला देने से रहा। बहुत बरस पहले जब इस देश में आजादी के चिराग जले थे, तब देश के मसीहाओं ने फैसला किया था कि सरकारी उद्यम और निवेश, और लाला लोगों का निजी व्यापार-धंधा आपस में गलबहियां डाल कर चलेगा। जीवन की भीख मांगते पिछड़े लोगों का खाली ओसारा सरकारी क्षेत्र अपने लाभ की परवाह किए बगैर जनकल्याण से भरेगा। ऊंची अटारियों वाला निजी क्षेत्र बढ़ते लाभ की पताका फहराने की धुन में देश को प्रगति की ऐसी दौड़ देगा कि ये अटारियां चाहे और कितनी ऊंची हो जाएं, इनकी खिड़कियों से गिरता दाव सौगात बन वंचितों के नंगे कंधों पर नया कोट बन कर लद सकेगा। जनाब फिर साल दर साल पंचवर्षीय योजना बन कर गुजरते गए। निजी क्षेत्र की अटारियां रूप बदल कर बहुमंजिले मॉल-प्लाजा बन गए। गरीब के कन्धों का वह एहसास भी खत्म हो गया कि उसके कन्धों पर कोई फटा हुआ कोट कभी रहा है। रफूगर किस उधड़ी हुई सीन को सिये? वहां तो कोई कोट ही नहीं रहा। हां, बाबूडम की रियासत जरूर बन गई। सरकारी उद्यम की कारगुजारी और उसके द्वारा फहरायी जाने वाली कल्याण पताका एक ऐसी कटी पतंग बनी, जो उनकी बस्तियों के ऊपर से गुजरती हुई डिजिटल तरंगों में उलझ कर रह गई। क्या करें इस बीच जमाना कयामत की चाल चल गया। ऑनलाइन हो गया। लेकिन उसका परिसर लकदक बस्तियों की सीमाएं न लांघ पाया। शेष देश इतने बरसों रोटी, कपड़ा और मकान वाले अच्छे दिनों का इंतजार कर रहा था, वह ऑनलाइन हो सकने की चाहत के साथ स्मार्ट फोन बंटने की खैराती कतार में लग गया। लीजिए, ऐसी प्रगति न घर की रही न घाट की। 'ऑनलाइन' होकर डिजिटल हो जाने का नया कंगूरा क्या छूते? यहां तो 'ऑफ लाइन' की पटरी से भी उतर गए। अब पटरी पर आने का प्रयास करते हैं तो महामारी के लौटने का भय उन्हें फिर से बेकाम अंधेरों की चहारदीवारी में कैद का पैगाम देने लगता है। फिर अभी बड़े लोगों के नए चिंतन ने एक पैगाम दे दिया। दस प्रतिशत अरबपति तो खरबपति हो गए, और नब्बे प्रतिशत अपने पुराने तार-तार हो गए कोटों के लिए रफूगर तलाश रहे हैं। लेकिन इनको मंदी लग गई है। जब उनके लिए नए कपड़े ही नहीं बिकेंगे, तो रफूगर चौराहों पर जमा भिखारी ब्रिगेड में शामिल होकर अपने लिए रोटी तलाशने का नया धंधा न अपना लें तो क्या करें।

देश दुनीया से

यूसीसी का उत्तराखण्ड के रास्ते शेष भारत में प्रवेश?

उत्तराखण्ड विधानसभा से समान नागरिक संहिता या कॉमन सिविल कोड (यूसीसी) का विधेयक पास कराना सम्पूर्ण भारत में इस संहिता को लागू कराने का ट्रायल माना जा सकता है। क्योंकि बिना राष्ट्रपति या केन्द्र सरकार की अनुमति से न तो यह संहिता लागू हो सकती है और ना ही उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बिना केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति के इतने बड़े और विवादित मुद्दे को छेड़ सकते थे। माना जाता है कि पंडित नेहररू ने भी 1951-52 का आम चुनाव समान नागरिक संहिता पर ही लड़ा था जिसका उन्हें लाभ मिला और उन्होंने 19555 और 56 में हिन्दुओं से संबंधित नागरिक संहिताएं (यूसीसी) पारित करवा दीं। परिस्थितियों को देख कर साफ लगता है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व समान नागरिक संहिता का ट्रायल उत्तराखण्ड में कराया जा रहा है।

बिना केन्द्र सरकार की मर्जी के यूसीसी संभव नहीं

यूसीसी पर सुशील मोदी की अध्यक्षता में गठित 17 सदस्यीय कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति की 3 जुलाइ 2023 की बैठक के बाद सुशील मोदी ने प्रेस को बताया था कि इस संहिता से जनजातियों को अलग किया जा सकता है और यही प्रावधान उत्तराखण्ड की समान नागरिक संहिता में भी किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकाल करना बहुत सामान्य सी बात है, लेकिन धामी सरकार द्वारा नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने वाली जस्टिस रंजना देसाई कमेटी का गृह मंत्री और विधि आयोग से मिलना सामान्य बात नहीं है। ये मुलाकातें दर्शाती हैं कि धामी सरकार का यह कदम अमित शाह के आर्शिवाद और मार्ग दर्शन के नहीं है। नागरिक संहिता की ड्राफ्ट कमेटी ने 2 जून 2023 को दिल्ली में 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ऋतुराज अवस्थी से भेंट की थी। इसके बाद जस्टिस रंजना देसाई ने मुख्यमंत्री धामी के साथ 3 जुलाइ 2023 को इस संबंध में गृहमंत्री अमित शाह से देर सांय मुलाकात की। उसके अगले ही दिन मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद प्रेस से बातचीत करते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता की तैयारियों से भली भांति अवगत हैं। इन मुलाकातों से साफ जाहिर है कि उत्तराखण्ड का यूसीसी कानून अकेले पुष्कर सिंह धामी के दिमाग की उपज नहीं बल्कि एक सुनियोजित चुनावी रणनीति का ही हिस्सा है।

विधि आयोग भी कर रहा यूसीसी की तैयारी

जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी की 2 जून को 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात के बाद 14 जून को आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर जन साधारण और धार्मिक संगठनों से राय शुमारी करना भी केन्द्र सरकार की इस संहिता को लागू करने के प्रति बढ़ती रुचि के साथ ही सरकार के उत्तराखण्ड की नागरिक संहिता से सीधे लिंक को ही दर्शाता है। क्यों 21वां विधि आयोग 2018 की अपनी रिपोर्ट में साफ कह चुका था कि भारत में न तो समान नागरिक संहिता जरूरी है और ना ही वांछित है। उस आयोग का गठन भी मोदी सरकार ने ही किया था और उसके पास भी यह विषय विचारणीय था। यही नहीं उत्तराखण्ड के मुख्समंत्री ने पहले कहा था कि देसाई कमेटी जून तक अपनी रिपोर्ट दे देगी। उन्होंने यह भी कहा था कि संहिता का ड्राफ्ट बन कर प्रेस में है।

विधि आयोग का कार्यकाल यूसीसी के लिए बढ़ा?

जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता में 21 फरबरी 2020 को 22वें विधि आयोग का गठन 3 साल के लिए हुआ था जिसका कार्यकाल फरबरी 2023 में पूरा होने के बाद उसे 31 अगस्त 2024 तक का विस्तार दिया गया है। भारत का विधि आयोग एक गैर-सांविधिक निकाय है और भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय की एक अधिसूचना द्वारा कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए एक निश्चित समय सीमा के साथ इसे गठित किया जाता है और आयोग के विचारार्थ विषयों के अनुसार सरकार को (रिपोर्ट के रूप में) सिफारिशें करता है।

> मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकाल करना बहुत सामान्य सी बात है, लेकिन धामी सरकार द्वारा नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने वाली जस्टिस रंजना देसाई कमेटी का गृह मंत्री और विधि आयोग से मिलना सामान्य बात नहीं है। ये मुलाकातें दर्शाती हैं कि धामी सरकार का यह कदम अमित शाह के आर्शिवाद और मार्ग दर्शन के नहीं है। नागरिक संहिता की ड्राफ्ट कमेटी ने 2 जून 2023 को दिल्ली में 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ऋतुराज अवस्थी से भेंट की थी।

आप का नजरीया

हिमाचली शहरों को आवाज दो

शहरी विकास महकमा थामते ही विक्रमादित्य सिंह ने हिमाचल के शहरी नक्शे का कुशलक्षेम पूछा है। शहरों के लिए सुझाव बहुत हैं, लेकिन आदत नहीं हमें इन्हें बचाने की। यह इसलिए कि एक तरफ शहरी विकास मंत्रालय है, तो कहीं दूर शहरी नियोजन की बागडोर दूसरे मंत्री राजेश धर्माणी की ओर खड़ी है। यह दीगर है कि शहर को शहर समझने की देर कर दी, वरना आज जहां टीसीपी खड़ा है, वहां नजारा कुछ और होता। हमने शहरीकरण की रुह को प्रताड़ित किया है, वरना राष्ट्रीय स्वच्छता के सर्वेक्षण में शिमला की प्रणाली अपमानित नहीं होती। कहने को हमारे पास पांच नगर निगम और दो स्मार्ट सिटी, मगर इन्हें चलाने को माकूल बजट नहीं। शहरी प्रबंधन में शहर को आवाज तक देने की फुर्सत नहीं, जबकि नागरिक समाज को कर चुकाने की आदत नहीं। हमारी सियासी सोच शहरीकरण की विरोधी रही, इसलिए टीसीपी कानून की खाल कमजोर पड़ गई। शहरीकरण के मायनों में कभी हिमाचल के पुराने नगर अपनी स्वच्छता की ताल बजाते थे, लेकिन आज नगर निगम बनाने का औचित्य घुटनों पर चलने लगा है। हमने सोलन और उसके आसपास के विकास को नगर निगम की छत जरूर दी, लेकिन वहां टीसीपी के आधार पर क्या किया। कभी परवाणू से शिमला के बीच जंगल और गांव थे। कहीं छोटी ट्रेन, तो कहीं ब्रिटिश पीरियड के आयाम थे, लेकिन आज पर्वतीय परिवेश से उसका घूंघट चुराकर हमने सडक़ को ही शहर बना दिया। कहां परवाणू शुरू होता है और कहां तक इसकी सीमा है, कोई मीलपत्थर नहीं जो बता सकतापरवाणू और सोलन के बीच के शहरीकरण का अंतर और इसी तरह कब सोलन की घुसपैठ में शिमला फूल गया, कोई नहीं जानता। ऐसे में शिमला और सोलन नगर निगमों की सरहद के बाहर आप शहरीकरण को कैसे तौलोगे, कैसे गांव को शहर के कब्जे में जाने से रोकोगे। अगर परवाणू-सोलन और शिमला के लिए एक शहरी विकास प्राधिकरण गठित कर लिया होता तो पहाड़ का अमन-चैन बच गया होता। यही नहीं अगर टीसीपी कानून को हमारी सरकारें गंभीरता से पढ़ लेतीं, तो आज प्रदेश में घाटियों, खेतों और पहाड़ों की गरिमा व मूल स्वरूप बचाने के लिए कम से कम आधा दर्जन शहरी विकास प्राधिकरण गठित हो चुके होते। उदाहरण के लिए भूंतर-कुल्लू-मनाली, नादौन-हमीरपुर-बिलासपुर, धर्मशाला-गगल-कांगड़ा, धर्मशाला-चामुंडा-पालमपुर, मंड

मौलाना की चिंगारी, भड़की हिंदू संगठनों ने उठाई आवाज

बरेली (हिंस)। जिस तरह से फिल्म में जब गब्बर आता था तो गांव में सन्नाटा पसर जाता था ठीक उसी की तर्ज पर कल मौलाना ने शहर में दहशत का माहौल बनाया यह कहना था एसपी सिटी के पास शिकायत करने पहुंचे हिंदू संगठनों का। शुक्रवार सुबह नमाज के बाद शहर की दिशा खराब करने उतरे मौलाना के समर्थकों ने शायमगंज चौराहे पर प्रदर्शन के बाद पत्थर बाजी की। वही दूसरे दिन हिंदू संगठनों के लोगों ने एसपी सिटी सें मिलकर शिकायत दर्ज कराई। हिंदू संगठन के राजकुमार राजपूत का आरोप है कि मौलाना ने 2010 और 2012 में शहर कों आग में झोकने का काम किया। जिससे आमजन का नुकसान हुआ। उसी तरह मौलाना ने शुक्रवार को उत्तेजित भाषण देकर गुंडागर्दी की हद पार कर दी। जिससे श्यामगंज चौराहे पर भीड़ उग्र हो गईं। जिसनें व्यापारियों का नुकसान किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से फिल्म में गब्बर

आने के बाद गांव में सन्नाटा पसर जाता था ठीक वही काम आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर ने किया। लोगों के दिलों में दहशत पैदा की गईं। स्कूलों से जिस तरह फोन आने शुरू हुए घरवाले अपने बच्चों कों लेकर बेचैन होनें लगे। शहर में ऐसा माहौल पैदा किया गया। वही संगठनों का आरोप था कि आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को अपशब्द कहे साथ भीड़ के अंदर मौलाना का यह कहना कि हमला करके हम अपनी जान बचाने का अधिकार रखते हैं। जब की भीड़ मौलाना ने ही बुलाई थी। ऐसे उत्तेजित भाषण देकर मौलाना शहर कों आग में झोकने का काम कर रहे थे। वही हिंदू संगठनों ने कहा अबकी बार तहरीर नहीं दी जाएगी न ही कोई ज्ञापन दिया जाएगा। सीधे इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हिंदू संगठनों ने एसपी सिटी से मिलकर शहर की सजा खराब करने वाले आरोपियों खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसपी सिटी राहुल भाटी के मुताबिक शुक्रवार हुए घटनाक्रम में थाना बारादरी में दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है। वही हिंदू संगठनों ने आईएमसी प्रमुख के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। श्यामगंज में हुए पथराव में वीडियो के आधार पर लोगों को चिन्हित आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेले का किया मुआयना

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांधी मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेला (एग्रो बिहार-2024) का शनिवार को मुआयना किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर कृषि के लिए उपयोगी आधुनिक कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी ली। इस राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेले में देश के प्रमुख कृषि यंत्र निर्माताओं द्वारा आधुनिक यंत्रों का प्रदर्शन किया गया है। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान सरकारी अनुदान प्राप्त कृषि यंत्रों को क्रय करने वाले प्रगतिशील किसान लाभार्थियों से मुलाकात की तथा उनसे कृषि यंत्रों के उपयोग के संबंध में बातचीत की और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ सहित अन्य वरीय अधिकारी साथ थे।

बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले माले विधायक आलम ने की मांझी से मुलाकात

पटना (हिंस)। बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले शनिवार को बलरामपुर से माले विधायक महबूब आलम जीतन राम मांझी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में मुलाकात हुई है। कहा जा रहा है कि लालू प्रसाद ने मांझी को मनाने के लिए माले विधायक को दूत बनाकर भेजा है। ऐसे में सियासी गलियारे में एक बार फिर मांझी के पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि हम ने किसी भी तरह के सियासी खेल से इनकार किया है। नई सरकार के गठन के बाद से ही राजद और कांग्रेस फ्लोर टेस्ट से पहले बड़े खेल का दावा कर रहा था। कहा जा रहा है कि बड़े सियासी खेल की अटकलों के बीच लालू प्रसाद ने अपना आखिरी दांव चल दिया है। राज्य में एनडीए की सरकार बनने के बाद से ही जीतन राम मांझी एक और मंत्री पद की मांग कर सरकार पर दबाव बना रहे थे। उन्होंने यहां तक कहा था कि कांग्रेस की तरफ से उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया जा रहा है। मांझी ने कहा था कि एक रोटी से उनका पेट नहीं भरने वाला है और पेट भरने के लिए कम से कम दो रोटी की जरूरत है। मांझी के इस बयान के बाद कहा जा रहा था कि वे कभी भी पाला बदल सकते हैं। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन ने कहा था कि वे उन्हें जो एक मंत्री पद मिला है वे उससे संतुष्ट हैं। वहीं जीतन राम मांझी ने कहा था कि वे कुर्सी की लालच में किसी को धोखा नहीं दे सकते हैं और पूरी मजबूती से नीतीश सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैं। अब जब बीजेपी का कोई भी नेता पटना में मौजूद नहीं है तो लालू ने अपनी सियासी चाल चलते हुए बड़े ऑफर के साथ अपने दूत के रूप में माले विधायक को मांझी को मनाने के लिए भेजा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सही में बिहार में बड़ा खेल होने वाला है?

आक्रोशित साहू समाज ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

झांसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणी पर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। जाति को लेकर अभद्र टिप्पणी करने पर अब साहू समाज का आक्रोश शनिवार को सड़कों पर फूट पड़ा। समाज के दर्जनों महिला पुरुषों ने इलाइट चौराहे पर राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला जलाया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अमित साहू ने कहा कि जिसे स्वयं के जाति-धर्म का बोध नहीं वह विश्व के नेता पर टिप्पणी करते हैं। साहू समाज झांसी के तत्वावधान में शनिवार को समाज के अध्यक्ष सचिन साहू झांसी के नेतृत्व में समाज के दर्जनों लोगों ने इलाईट चौराहे पर राहुल गांधी का पुतला जलाकर जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का अपमान नही सहा जाएगा। जिस प्रकार राहुल गांधी ने साहू समाज और देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री को लेकर जो जाति पर अभद्र टिप्पणी की है वह ठीक नहीं है। राहुल गांधी अपने रवैया को सुधार ले वर्ना साहू समाज इससे बड़ा आंदोलन करेगा। भाजपा महामंत्री अमित साहू ने इसे निंदनीय बताते हुए राहुल गांधी को पप्पू बताया। उन्होंने कहा कि जो टिप्पणी की है उसके लिए वह माफी मांगें। देश के नेता व देश के प्रधानमंत्री मोदी का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर समाज देश भर में आंदोलन करने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में समाज मुहतोड़ जवाब देने को तैयार है। इस दौरान पूर्व पार्षद राजू साहू, पार्षद राम स्वरूप साहू, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा साहू समाजसेवी सुनीता साहू, रामश्री साहू, मुदूत साहू, रानी, गोमती, उमा, रामवती, पूजा, मूर्ति, ज्योति, समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

किसानों की लड़ाई को आगे ले जाना जयंत के लिए आसान नहीं : शिवपाल

लखनऊ (हिंस)। चौधरी चरण सिंह ने किसानों की लड़ाई को बढ़ाया था, उस लड़ाई को आगे ले जाना है। जयंत चौधरी के लिए वह लड़ाई आसान नहीं है। यह बातें शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के महासचिव शिवपाल यादव ने कही। सपा महासचिव उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र 2024-25 में शामिल होने सदन पहुंचे थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बीजेपी में छोटे-छोटे लोग गए, वो कहीं के भी नहीं रहे। शिवपाल यादव ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा के बाद से भाजपा के प्रति उनकी निकटता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए दिल जीत लिए जाने वाले बयान के बाद आया है। शुक्रवार से पूर्व तक सपा जयंत के गठबंधन छोड़कर भाजपा में जाने की बात से इंकार कर रही थी। हल्द्वानी में हुई घटना के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि पूरे देश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है तो जुल्म के खिलाफ जनता सड़कों पर आएगी।

आईएनडीआईए को झटका, पंजाब की सभी लोकसभा सीटों पर लड़ेगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली (हिंस)। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए को आम आदमी पार्टी ने एक और झटका दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पंजाब के खन्ना में एक कार्यक्रम के दौरान घोषणा कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी चंडीगढ़ लोकसभा सीट पर भी अपना प्रत्याशी उतारेगी। केजरीवाल की इस घोषणा पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में आईएनडीआईए पर तंज कसते हुए कहा कि गठबंधन का ढांचा चरमरा रहा है। इस गठबंधन का कोई मिशन नहीं, कोई विजन नहीं है। इस गठबंधन का मकसद सिर्फ कमीशन और भ्रष्टाचार करना,

सिर्फ भ्रम और विरोधाभास पैदा करना है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा अजीब है। यह न्याय यात्रा के बजाए *अलविदा यात्रा* ज्यादा है। उन्हें इसके बजाए *आईएनडीआईए जोड़ो यात्रा* निकालनी चाहिए।

जमीन से जुड़े स्वच्छ कार्यकर्ता को अवसर देने के लिए कहा है पार्टी को : पायलट

टोंक (हिंस)। कांग्रेस नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा है कि लोक सभा उम्मीदवार का नाम शीर्ष नेतृत्व तय करेगा और जिसे भी उम्मीदवार बनाया जाएगा, पार्टी के कार्यकर्ता उसे जिताकर भेजेंगे। शनिवार को अपने टोंक दौरे के दौरान मीडिया से रू-ब-रू होते हुए पायलट ने कहा कि उन्होंने पार्टी से कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भी जमीन से जुड़े स्वच्छ छवि के कार्यकर्ताओं को अवसर दिया जाए। शीर्ष नेतृत्व भी युवाओं पर फोकस कर रहा है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ख ?गे भी यही चाहते हैं। पायलट ने बताया कि हाल ही में स्क्रीनिंग कमेटी की मीटिंग हुई थी जिसमें राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर खुले माहौल में चर्चा की गई। सब लोगों से फीडबैक लिया गया। सभी सीटों पर पैनल तैयार किया गया है, कहीं पैनल में एक नाम है, कहीं दो तो कुछ जगहों पर तीन नामों का पैनल है। अंतिम निर्णय सीईसी करती है और संकेत यह मिल रहे हैं कि जल्द सीईसी की मीटिंग होगी। नामों पर अंतिम मोहर जल्द लग जाएगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण: एसटीपी और सीईटीपी की हो रही ऑनलाइन मॉनिटरिंग

जयपुर (हिंस)। शहर में प्रदूषित पानी को ट्रीटेट करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लगाए गए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और इंफ्लुएंट कॉमन ट्रीटमेंट प्लांट की अब ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा रही है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रंण मंडल के निर्देश पर जेडीए ने शहर में चल रहे एसटीपी और सीईपीटी पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग डिवाइस लगाई है। इस पर करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए खर्च किए गए है। डिवाइस लगने के बाद एसटीपी और सीईटीपी सीधे राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रंण मंडल और केंद्रीय प्रदूषण नियत्रंण मंडल से जुड़ गए हैं। इसके बाद दोनों मंडलों के अधिकारी कार्यालयों से जेडीए के सभी एसटीपी और सीईटीपी की जानकारी ले पा रहे हैं। जेडीए के अधीन आठ एसटीपी और एक सीईटीपी है। अब तक इसकी मॉनिटरिंग के लिए प्रदूषण नियत्रंण मंडल के अधिकारियों को मौके पर जाना पड़ता था। इससे आर्थिक के साथ समय भी बर्बाद होता था। शहर में

द्रव्यवती नदी सहित अलग-अलग स्थानों पर एसटीपी और इमली फाटक के पास सीईटीपी बना हुआ है। इनके माध्यम से प्रदूषित पानी को साफ कर सीधे नदी और नालों में छोड़ा जाता है। इन सभी एसटीपी और सीईपीटी की देखभाल सहित अन्य खर्चो के रुपए में जेडीए हर साल लाखों रुपए खर्च करता है। शहर में जेडीए के अलावा नगर निगम और रीको द्वारा भी एसटीपी और सीईटीपी का संचालन किया जाता है। नगर निगम द्वारा देहलावास एसटीपी को अपग्रेड करने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा सीतापुरा सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले प्रदूषित जल को साफ करने के लिए एसटीपी और सीईटीपी संचालित किए जा रहे है। इन सभी की निगरानी राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रंण मंडल करता है। एसटीपी और सीईटीपी संचालन में लापरवाही और गंदा पानी बाहर छोडने् पर प्रदूषण नियत्रंण मंडल कार्रवाई करते है। इस संबंध में एक्सईएन, पीएचई जेडीए मुकेश मीणा का कहना है कि शहर में जेडीए के अधीन 8 एसटीपी और एक सीईटीपी संचालित होते है। अब तक इनकी ऑनलाइन मॉनिटरिंग नहीं हो रही थी। प्रदूषण नियत्रंण मंडल के निर्देश पर सभी एसटीपी और सीईटीपी पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग डिवाइस लगाए जा रहे है। अभी कुछ एसटीपी और सीईटीपी पर ऑनलाइन मॉनिटरिंग डिवाइस लगाई जा चुकी है। सभी एसटीपी और सीईटीपी पर डिवाइस लगाने का काम अगले वर्ष तक पूरा हो सकता है।

फाइलेरिया की दवा खाने से दर्जनों बच्चे बीमार

भागलपुर (हिंस)। जिले के तातारपुर थाना क्षेत्र के उर्दू बाजार ठाकुरबाड़ी स्थित मध्य विद्यालय उर्दू बाजार स्कूल के कई बच्चे शनिवार को फाइलेरिया की दवा खाने के बाद बीमार हो गए। विद्यालय के शिक्षक और स्थानीय लोगों के मदद से सभी बीमार बच्चों को मायागंज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बच्चों के बीमार होने की खबर फैलते ही सभी अभिभावक स्कूल पहुंच गए। इस दौरान अभिभावकों में काफी आक्रोश देखा गया। देखते ही देखते विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। भीड़ को संभालने के लिए पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गई है। उधर दूसरी ओर बच्चों को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में चिकित्सक भी लगे हुए हैं। कई बच्चों ने बताया कि स्कूल में फाइलेरिया की दवा दी गई थी। उसके बाद हम लोग बीमार हुए हैं।

किसान आंदोलन के मद्देनजर प्रशासन सतर्क, बार्डर किए गए सील

फतेहाबाद (हिंस)। किसान संगठनों द्वारा 13 फरवरी को दिल्ली कूच की घोषणा के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिले की पंजाब से लगती सीमा को पुलिस प्रशासन ने सील कर दिया है। हांसपुर चौकी, म्योंद कलां पुल, और रतिया में पुलिस द्वारा पंजाब की ओर जाने वालों रास्तों पर सीमेंटेड बैरिकेड लगाकर रास्तों को बंद कर दिया गया है। जिलाधीश एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने तुरंत प्रभाव से जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 144 लागू करने के आदेश पारित किए है। यदि कोई व्यक्ति जारी आदेशों की अवहेलना में दोषी पाया जाता है तो वह भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत दंड का भागी होगा। जारी आदेशों के अनुसार पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, किसी भी प्रकार के ईश्तहार, पोस्टर लगाने, मीटिंग करने, पैदल या ट्रैक्टर ट्रालियों व अन्य वाहनों के साथ जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, मार्च पास्ट करने, लाठी, डंडा, हॉकी, भाला, कुल्हाड़ी, फरसा, जेली, रॉड, तलवार, ज्वलनशील पदार्थ व हथियार लेकर चलने, ट्रैक्टर या अन्य किसी भी वाहन पर डीजे या लाउडस्पीकर द्वारा भड़काऊ संगीत बजाने, प्रचार करने, ट्रैक्टर-ट्रालियों में ईंट, पत्थर के टुकड़े आदि लेकर चलने पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ ही पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की पैदल या ट्रैक्टर ट्रालियों व अन्य वाहनों के साथ जलूस, प्रदर्शन व रैली, मार्च पास्ट इत्यादि पर भी पूर्णतया: प्रतिबंध रहेगा। ये आदेश पुलिस व अन्य सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों, जोकि अपनी ड्यूटी पर तैनात होंगे, उन पर लागू नहीं होंगे।

पीएम मोदी के *खेलो इंडिया* अभियान का संकल्प हो रहा साकार : राठौड़

जयपुर (हिंस)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार तथा खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की युवा प्रतिभाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहित कर रही है। राज्य सरकार भी युवाओ को सभी प्रकार की खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए संकल्पबद्ध है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ शनिवार को भवानी निकेतन ग्राउंड में आईटी यूनियन राजस्थान द्वारा आयोजित *राजस्थान आईटी गेम्स 2024* का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को उत्साहित और प्रेरित करती हैं।

यूपी का बजट में 90 फीसदी जनता के लिए कुछ भी नहीं : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र 2024-25 के आठवें दिन शनिवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार के पेश बजट पर प्रदेश की गरीब, किसान, नौजवान, बेरोजगार, उद्यमी और आम जन की बात रखी। उन्होंने भारी भरकम बजट पर सवाल खड़ा करते हुए 90 फीसदी जनता की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सिर्फ 10 प्रतिशत लोगों को ध्यान में रखने वाला बताया। अखिलेश ने सदन में कहा कि बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि यूपी का बजट चाहे 7 करोड़ का हो या 8 लाख करोड़ का हो, सवाल यही रहेगा कि 90 पर्सेंट जनता के लिए उसमें क्या है? विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था में 80 करोड़ जनता 5 किलो राशन पर निर्भर है। विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था, लेकिन पुरानी पेंशन के लिए 5 पैसे भी नहीं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब प्रभु राम दिल में बसते हों तो नाम लेने की क्या जरूरत

है। जब आप और हम नहीं थे तब भी राम थे, जब हम नहीं रहेंगे वो तब भी रहेंगे। ऐसा कहना कि आप प्रभु राम को लाए हैं, यह कहकर आप भगवान और धर्म का अपमान कर रहे हैं। अपनी बात रखते हुए सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने दो पंक्तियां कहीं। उन्होंने कहा कि हुजूर-ए-आला आज तक खामोश बैठे इसी गम में, महफिल लूट ले गया कोई जबकि सजाई हमने। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी के लिए पहचान का संकट अगर कोई पैदा कर रहा है तो वह आपकी सरकार कर रही है। आपने कहा था झांसी से दिल्ली को जोड़ने के लिए एक्सप्रेसवे बनाएंगे, अब तक क्यों नहीं बना पाए? मेट्रो क्यों नहीं बना पाए? हम तो भगवान कृष्ण के वंश से आते हैं। भगवान विष्णु के सब अवतारों को मैं मानता हूं। हम तो पांडव वाले पक्ष के लोग हैं। यूपी ही नहीं, देश के किसान की आवाज को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि क्या किसान की आय दोगुनी हो गई? क्या एमएसपी मिलने लगा? हमने कई बार पूछा है इस सरकार से कि आखिरकार ये 46 में 56 वाली कहानी क्या है? यूपी में जो वाइस चांसलर अप्वाइंट हुए हैं, 34 में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कितना है? और फिर ये वाइस चांसलर और किनको अपॉइंट कर रहे हैं?

पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करना ऐतिहासिक फैसला : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव एवं हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से विभूषित करना ऐतिहासिक निर्णय है। शर्मा ने भारत रत्न सम्मान की घोषणा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि जीवन पर्यंत किसान हितों के लिए कार्य करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय देश व प्रदेश के असंख्य किसानों का सम्मान है। मुख्यमंत्री शर्मा ने नागौर प्रवास के दूसरे दिन ग्राम सिंगर के निकट प्राणी में प्रगतिशील किसानों से चाय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश की समृद्धि गांवों के सर्वांगीण विकास से ही प्रशस्त होगी। किसान वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए राज्य सरकार ने गेहूं की खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में 125 रुपए बोनस की बढ़ोतरी की है। साथ ही, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 2 हजार रुपए की बढ़ोतरी का भी निर्णय किया गया है। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपेंद्र हुड्डा ने बूथ कार्यकर्ताओं को सौंपी चुनाव के लिए जिम्मेदारी

झज्जर (हिंस)। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने शनिवार को बूथ कार्यकर्ताओं को चुनाव की कमान सौंपी। उन्होंने कहा कि किसी के पास मैं तो किसी के पास बूथ कार्यकर्ता पहुंचें और हमारे किए हुए काम और आने वाले समय में किए जाने वाले काम के बारे में बताएं। बूथ कमेटियों की बैठक में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने कार्यकर्ताओं को कहा कि अपने आप को दीपेंद्र हुड्डा मान कर चुनाव प्रचार में जुट जाएं। इस चुनाव में हरियाणा की जनभावना को बचाने की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हर तरह के षड्यंत्र और साजिशें रची जाएंगी, लेकिन इनको नाकाम करने में बूथ कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। उन्होंने विश्वास जताया कि चुनाव में जनता का पूरा आशीर्वाद है और कांग्रेस यहां से रिकार्ड मतों से जीतेगी। ये जीत इलाके की जनता की

होगी। हरियाणा और इस इलाके को विकास की बुलंदी पर ले जाने की होगी। दीपेंद्र हुड्डा ने 25 फरवरी को झज्जर में आयोजित होने वाली कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय रैली का भी न्यौता दिया। कार्यक्रम का आयोजन विधायक गीता भुक्कल ने किया था। इस अवसर पर झज्जर हलके में *घर घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस* अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक गांव, प्रत्येक घर जाकर कांग्रेस पार्टी की उपलब्धि एवं मौजूदा गठबंधन सरकार की नाकामियों के बारे में बतायेंगे। उन्होंने बूथ कमेटियों को आज से ही युद्ध स्तर पर चुनावी तैयारियों में जुटने और वोट पड़ने तक अपना बूथ संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाणा में बदलाव तय है। हरियाणा के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है कि बीजेपी-जेजेपी जा रही है और कांग्रेस सरकार आ रही है। पिछले 1 साल में 35 पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। पिछली बार यानी 2019 में ही लोग बदलाव चाहते थे लेकिन जेजेपी ने मतदाताओं के साथ विश्वासघात कर दिया। इस सरकार ने साढ़े 9 साल में कोई काम किया नहीं, लेकिन इनका अहंकार सातवें आसमान पर है।

एनआईए का कश्मीर घाटी और जम्मू शहर में कई स्थानों पर छापा

जम्मू (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज (शनिवार) सुबह कश्मीर घाटी और जम्मू शहर में कई स्थानों पर छापा मारा है। अधिकारियों के अनुसार पुलिस और सीआरपीएफ की सहायता से एनआईए ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिला और जम्मू शहर के गुज्जर नगर में कुछ स्थानों पर दबिश दी है। कहा जा रहा है कि यह कार्रवाई मुख्य रूप से प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के सदस्यों के स्वामित्व वाले परिसरों पर की गई है।

बीता सप्ताह शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, सेंसेक्स 71,595 और निफ्टी 21,782 पर बंद

मुंबई ।
बीते सप्ताह भर घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। सप्ताह की शुरुआत में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला लेकिन कारोबारी के आखिर में गिरावट के साथ बंद हुआ। इस प्रकार बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव का दौर चलता रहा। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों की बात की जाए तो भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स शुरुआती कारोबार में सपाट ढंग से कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 218.89 अंकों की बढ़त के साथ 72,304.52 पर खुला और 354.21 अंकों की गिरावट के साथ 71,731.42 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 85.80 अंक मजबूत होकर 21,939.60 पर खुला और 82.10 अंक टूटकर 21,771.70 पर बंद हुआ। मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मामूली बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 287.40 अंकों की बढ़त के साथ 72,018.82 पर खुला और 454.67 अंकों की बढ़त के साथ 72,186.09 पर बंद हुआ। निफ्टी इस दौरान 82.55 अंकों की बढ़त के साथ 21,854.25 पर खुला और 157.71 अंक मजबूत होकर 21,929.40 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में तेजी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों की अगुवाई में भारतीय शेयर सूचकांक लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 288 अंक बढ़कर 72,474 पर खुला और 34.09 अंकों की गिरावट के साथ 72,152.00 पर बंद हुआ। निफ्टी50 96 अंक की बढ़त के साथ 22,025 पर खुला और 19.35 अंकों की बढ़त के साथ 21,948.75 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा में फैसले के बाद शुरुआती कारोबार के दौरान शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 746.62 अंक टूटकर 71,405.38 अंक पर खुला और 723.57 अंकों की गिरावट के साथ 71,428.43 पर बंद हुआ। निफ्टी 220.95 अंकों की गिरावट के साथ 21,709.55 पर खुला और 212.55 अंक फिसलकर 21,717.95 पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 122.61 अंक चढ़कर 71,551.04 पर खुला और 167 अंकों की बढ़त के साथ 71,595 के स्तर पर बंद हुए। निफ्टी 14.35 अंकों की बढ़त के साथ 21,732.30 पर खुला और 64 अंक चढ़कर 21,782 पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

लैंको अमरकंटक पॉवर अडानी की झोली में, दो बड़े समूहों की दूरी बनाए रखने से औद्योगिक जगत को चकित

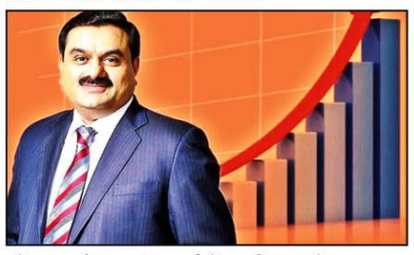

कोरबा । कोरबा-चांपा मार्ग में स्थापित अपने स्थापना काल से ही लगातार विवादों के केंद्र में रहे कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रहे पॉवर कंपनी लैंको अमरकंटक पॉवर कंपनी की डील पूर्ण होने की अपुस्ट जानकारी मिल रही है। किसी भी देश की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने में औद्योगिक घरानों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पॉवर कंपनी के क्षेत्र में अडानी समूह सर्वाधिक सक्रिय औद्योगिक घरानों में इन दिनों ऊंचाई पर है और यही कारण है कि विदेशों में सफलता के लगातार परचम लहराने के साथ ही देश में भी इसकी टक्कर में आगे पीछे 10 पायदान तक कोई दिखाई नहीं देता हैं। देश के पावर सेक्टर में अडानी समूह का वर्चस्व लगातार बढ़ रहा है और इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के कोरबा स्थित लैंको अमरकंटक पॉवर कंपनी को भी इस समूह द्वारा अपने एकाधिकार में ले लिये जाने की अपुस्ट जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार लैंको के लिए अडानी समूह ने कुल 4,101 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, लेकिन इसकी घोषणा सार्वजनिक रूप से किन कारणों से सामने नहीं आ पाई है और न ही इस संबंध में अडानी समूह की ओर से कोई बयान नहीं दिया जा रहा है, यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। - पीछे हटे अन्य समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की भी इस नीलामी की प्रक्रिया में सामने आने की बात आरंभ में सामने आई थी, लेकिन ये दोनों बड़े समूहों का नीलामी की प्रक्रिया से दूरी बनाए रखना औद्योगिक जगत को चकित कर गया। सूत्रों की माने तो इनके अलावा मुकेश अंबानी, वेदांता समुह से अनिल अग्रवाल, नवीन जिंदल भी आरंभिक प्रक्रिया में लैंको को लेकर रूचि दिखा रहे थे।

पेट्रोल और डीजल के कुछ शहरों में बढ़े भाव

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है। वैश्विक बाजार में क्रूड 81.90 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ। हालांकि क्रूड की कीमतों में इस बढ़ोतरी का पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। देश के 4 महानगरों में से एक सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली इजाफा हुआ है। इसके अलावा, गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा और पंजाब में भी ईंधन का भाव बढ़ गया है। वहीं तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, केरल और हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम हो गई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

2024 में एफपीआई ने 28,818 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजय कुमार ने कहा कि जनवरी में इक्विटी में बिक्री और डेट में खरीदारी का एफपीआई निवेश फरवरी महीने में लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि 9 फरवरी तक एफपीआई ने 3,074 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची और 15,093 करोड़ रुपये का कर्ज खरीदा। उन्होंने कहा, इससे 2024 में अब तक कुल इक्विटी बिक्री 28,818 करोड़ रुपये और ऋण खरीद 34,930 करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने आगे कहा, जनवरी के आखिरी पखवाड़े में एफपीआई 31,261 करोड़ रुपये की बिक्री के आंकड़े के साथ वित्तीय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विक्रेता थे। यह सामान्य तौर पर बैंक निफ्टी और विशेष रूप से कुछ प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों के खराब प्रदर्शन की व्याख्या करता है। उन्होंने कहा कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अब बैंकिंग शेयरों में वैल्यू है। उन्होंने कहा, एफपीआई आईटी और टेलीकॉम में खरीदार थे, जो इन क्षेत्रों में अग्रणी खिलाड़ियों के लचीलेपन को बताता है। विजय कुमार ने कहा कि इक्विटी में एफपीआई की बिक्री का उलटा तब होगा जब अमेरिकी बांड घट जाएगा।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

1 ग्राम सोने की कीमत 6,263 रुपए, 12 से 16 फरवरी तक लगा सकेंगे पैसा

नई दिल्ली।
सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 के तहत 12 से 16 फरवरी तक सोने में निवेश का मौका मिलेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने कहा कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2023-24 सीरीज आईवी के लास्ट सब्सक्रिप्शन के लिए इश्यू प्राइस 6,263 रुपए प्रति एक ग्राम तय किया गया है। वहीं इसे जारी करने की तारीख 21 फरवरी 2024 निर्धारित है। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक की एडवाइस पर ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल मोड में पेमेंट करने वाले निवेशकों को निर्धारित कीमत में 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का भी फैसला किया है। आरबीआई ने कहा कि ऐसे निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड की कीमत 6,213 रुपए होगी।

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। ये बॉन्ड 1 ग्राम सोने का होता है, यानी 1 ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है। ऑनलाइन अप्लाय करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलता है।

24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। एसजीबी में निवेश पर 2.50 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है। भारतीय बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड यानी आईबीजेए के पब्लिश्ड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है।

शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं

शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक, गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश

एसजीबी के जरिए कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम सोने में निवेश कर सकता है। जॉइंट होल्डिंग के मामले में 4 किलोग्राम की निवेश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी। वहीं किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

8 साल से पहले बॉन्ड बेचने पर देना होता है टैक्स

सॉवरेन का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल रहता है। मैच्योरिटी पीरियड पूरा होने के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80 प्रतिशत टैक्स लगता है।

ऑफलाइन भी कर सकते हैं निवेश

आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।

वित्तीय अभियोजकों ने फ़्रांस में हुआवेई के कार्यालयों पर छापा मारा

पेरिस।
चीनी की दिग्गज टेक कंपनी हुआवेई के फ्रांसीसी कार्यालयों की इस सप्ताह तलाशी ली गई। कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में ये जानक ारियाँ सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक फ्रांसीसी न्यायिक सूत्र ने बताया कि छापेमारी वित्तीय अभियोजक के कार्यालय द्वारा कथित तौर पर ईमानदारी के उल्लंघन को लेकर शुरू की गई प्रारंभिक जांच के हिस्से के रूप में की गई थी, जो भ्रष्टाचार, पक्षपात और प्रभाव को बढ़ावा देने जैसे अपराधों से संबंधित एक व्यापक शब्द है।

सूत्र ने जांच के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। प्रारंभिक जांच का मतलब यह नहीं है कि किसी तरह की गड़बड़ी हुई ही है। शेन्ज़ेन स्थित फर्म ने कहा कि तलाशी हुई थी। कंपनी के प्रवक्ता के हवाले से बताया, हुआवेई 20 वर्षों से अधिक समय से फ्रांस में है, और देश में लागू कानूनों और विनियमों का अनुपालन कर रही है। हालांकि हुआवेई फ़्रांस चल रही जांच पर टिप्पणी नहीं करना चाहती है, कंपनी अपने निष्कर्षों को लेकर आश्वस्त है। कंपनी ने 2020 में घोषणा की थी कि वह फ्रांस में 20 करोड़ यूरो (लगभस 21.5 करोड़ डॉलर) के निवेश के साथ वायरलेस संचार उपकरण बनाने वाली एक फैक्ट्री बनाएगी और सालाना एक अरब यूरो (लगभग 1.08 अरब डॉलर) मूल्य के उत्पादों का निर्माण करेगी। बाद में कई यूरोपीय देशों ने या तो हुआवेई को अपने 5जी टेलीकॉम नेटवर्क से प्रतिबंधित कर दिया, या नेटवर्क में कंपनी की भूमिका को प्रतिबंधित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर में फ्रांसीसी सार्वजनिक रेडियो से बात करते हुए, हुआवेई फ्रांस के उप महाप्रबंधक मिंगगांग झांग ने कहा कि फैक्ट्री 2025 के अंत तक अलसैस क्षेत्र में परिचालन शुरू कर देगी।

करोड़ों कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, ईपीएफओ ने 2023-24 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत तय की

नई दिल्ली ।
मार्च 2023 में कर्मचारी भविष्य निधि फंड में सरकार ने 2022-23 के लिए ब्याज दर 8.15 प्रतिशत तय की थी। वहीं 2021-22 के लिए यह 8.10 प्रतिशत थी।

देश के रिटायरमेंट फंड निकाय ईपीएफओ ने साल 2023-24 के लिए ब्याज दर तय कर दी है। यह ब्याज दर 8.25 प्रतिशत रहेगी और यह बीते तीन वर्षों में सबसे ज्यादा है। मार्च 2023 में कर्मचारी भविष्य निधि फंड में सरकार ने 2022-23 के लिए ब्याज दर 8.15 प्रतिशत तय की थी। वहीं 2021-22 के लिए यह 8.10 प्रतिशत थी।

सीबीटी की बैठक में हुआ फैसला

मार्च 2022 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 2021-22 के लिए ब्याज दर को बीते चार दशकों के मुकाबले कम करते हुए 8.1 प्रतिशत कर दिया था। यह 1977-78 के बाद सबसे कम था। ईपीएफओ में फैसले लेने वाली निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ने हुई बैठक में कर्मचारी भविष्य निधि के लिए 2023-24 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है। सीबीटी ने मार्च 2021 में ईपीएफ पर ब्याज दर 8.5 प्रतिशत तक तय की थी।

जनवरी में ईपीएफओ ने आधार कार्ड को जन्मतिथि के लिए स्वीकार्य दस्तावेज मानने से इनकार कर दिया था। कर्मचारी भविष्य निधि, बीस या अधिक कर्मचारियों वाले संगठनों में वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए एक अनिवार्य योगदान है। इसके तहत कर्मचारी के वेतन से मासिक आधार पर 12 प्रतिशत हिस्सा ईपीएफ खाते में डाला जाता है और उतना ही योगदान नियोक्ता द्वारा दिया जाता है। नियोक्ता के हिस्से में से 3.67 प्रतिशत हिस्सा ईपीएफ खाते में और बाकी का 8.33 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में जमा किया जाता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर; ऊर्जा मंत्री ने अक्षय ऊर्जा को लेकर किया बड़ा दावा

नई दिल्ली ।
भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इस हफ्ते बढ़कर 622.469 अरब डॉलर हो गया है, जो बीते एक महीने का उच्चतम स्तर है। 2 फरवरी को खत्म हुए पिछले हफ्ते के मुकाबले ये 5.736 अरब डॉलर बढ़ा है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक डाटा के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा संपत्ति का रहा, जो 5.186 अरब डॉलर बढ़कर 551.331 अरब डॉलर हो गया है। विदेशी मुद्रा संपत्तियों में रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्राओं का उपयोग करके खरीदी गई यूएस ट्रेजरी बिल जैसी संपत्तियां हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा संपत्ति का ही होता है। गोल्ड रिजर्व भी 68 करोड़ डॉलर बढ़कर 48 अरब डॉलर हो गया है। अक्तूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सबसे ज्यादा 645 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा था। हालांकि साल 2022 में आयात की लागत बढ़ने की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में काफी गिरावट आयी थी। अब एक बार फिर ये उच्चतम स्तर की तरफ बढता दिख रहा है।

2030 तक 65 फीसदी ऊर्जा, अक्षय ऊर्जा से हासिल करेंगे

केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का कहना है कि साल 2030 तक हम अपनी कुल ऊर्जा जरूरत का 65 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से हासिल करने में सक्षम हो जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी भारत की कुल ऊर्जा जरूरत में से 44 प्रतिशत ऊर्जा गैर-जीवाश्म ईंधन से हासिल होती है और साल 2030 तक इसके 65 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। आरके सिंह ने कहा कि यह 2021 के कॉप सम्मेलन में तय किए गए लक्ष्य से कहीं ज्यादा है। ग्लासगो में हुए कॉप26 सम्मेलन में भारत ने साल 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा गैर-जीवाश्म ईंधन से पाने का लक्ष्य रखा था, जो भारत की कुल ऊर्जा जरूरत का 50 फीसदी है, लेकिन अब हम 60-65 प्रतिशत ऊर्जा अक्षय ऊर्जा से हासिल कर सकते हैं। इससे 2030 तक एक अरब टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रई आरके सिंह ने एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट समिट के दौरान ये बात कही। उन्होने कहा 1,03,000 मेगावाट क्षमता की अक्षय ऊर्जा का अभी देश में निर्माण हो रहा है। वहीं 71 हजार मेगावाट के लिए बिड चल रही है।

जनवरी में 4.7 फीसदी रह सकती है खुदरा महंगाई, जून से सस्ता कर्ज संभव

नई दिल्ली ।
जरूरी वस्तुओं के दाम घटने से जनवरी में खुदरा महंगाई घटकर 4.7 फीसदी पर आ सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, 20 मुख्य वस्तुओं में से 18 की कीमतें घटी हैं। इसका सीधा असर महंगाई के कम होने पर दिखेगा। हालांकि, फरवरी के अब तक के पांच दिनों में भी कुछ वस्तुओं के भाव में गिरावट दिख रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, जरूरी वस्तुओं की कीमतें दिसंबर की तुलना में जनवरी में औसतन एक फीसदी तक घटी हैं। यह सितंबर, 2023 के बाद सबसे ज्यादा गिरावट है। इनमें खासकर सब्जियों के दाम तेजी से घटे हैं। ऊर्जा की कीमतें इस दौरान स्थिर रही हैं। जिन सब्जियों के दाम तेजी से घटे हैं, उनमें आलू प्रमुख रूप से है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सभी तरह के खाद्य तेलों के खुदरा दाम भी जनवरी में घटे हैं। इनके अलावा, दालों की कीमतें भी कम हो रही हैं। वनस्पति तेल के दाम जहां 9.7 फीसदी घटे हैं, वहीं मसूर दाल की कीमतें 0.5 फीसदी घटी हैं। आलू के दाम 1.8 फीसदी तक घट गए हैं।

आगे मुद्रास्फीति के और कम होने की उम्मीद

खाद्य मूल्य वृद्धि में नरमी और तेल की कम कीमतों से आने वाले महीनों में महंगाई और कम हो सकती है। चालू वित्त वर्ष में औसत महंगाई दर 5.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। अगले वित्त वर्ष में यह 4.7 फीसदी रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी में भी जरूरी वस्तुओं के दाम घट रहे हैं। खासकर सब्जियों पर इसका असर दिख रहा है।

असर...कम हो सकती है किस्त

महंगाई कम होने का असर यह होगा कि आपके कर्ज की किस्त आगे कम हो सकती है। आरबीआई ने लगातार छठीं बार रेपो दर को जस का तस रखा है। ऐसी उम्मीद है कि आम चुनाव के बाद जून से रेपो दर में कटौती का सिलसिला शुरू हो सकता है। जब महंगाई काबू में होगी तो आरबीआई वृद्धि दर पर जोर देगा। इसके लिए ब्याज दरों को घटाने की कवायद करनी होगी। उम्मीद है कि इस साल के अंत तक ब्याज दरें आधा फीसदी तक घट सकती हैं।

छह बार से स्थिर हैं रेपो दर

आरबीआई ने महंगाई को काबू में लाने के लिए एक साल से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रखा है। लगातार छठी बार इसने दरों को जस का तस रखा है। चूंकि आम चुनाव हैं, इसलिए अप्रैल में भी दरों को जस का तस रखे जाने की उम्मीद है। जून में दरें घट सकती हैं क्योंकि जुलाई में बजट है। कोरोना से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार दरों को घटाने का सिलसिला शुरू किया था, हालांकि बाद में महंगाई की उच्च दरों को काबू में लाने के लिए रेपो दर में 2.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई थी।

ओपनएआई प्रति दिन 100 अरब शब्द कर रहा तैयार : सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली। चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई वर्तमान में प्रति दिन लगभग 100 बिलियन शब्द तैयार कर रहा है। इसका खुलासा सह-संस्थापक और सीईओ सैम ऑल्टमैन ने किया। वह चिप्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भविष्य को नया आकार देने के लिए खरबों डॉलर की तलाश कर रहे हैं।एक्स पर एक पोस्ट में, ऑल्टमैन ने कहा कि मानवता द्वारा बड़ी संख्या में शब्द उत्पन्न करने के लिए उन्हें अधिक ग्राफिक्स-प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ओपनएआई अब प्रति दिन लगभग 100 बिलियन शब्द उत्पन्न करता है। पृथ्वी पर सभी लोग प्रति दिन लगभग 100 ट्रिलियन शब्द उत्पन्न करते हैं। उस विशाल स्तर तक पहुंचने के लिए, हमें अधिक जीपीयू की आवश्यकता है। जब एक फॉलोअर ने उनसे पूछा कि 7 ट्रिलियन डॉलर में कितने जीपीयू खरीदे जा सकते हैं, तो ऑल्टमैन ने जवाब दिया: संभवत: बहुत सारे जीपीयू। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑल्टमैन एक तकनीकी पहल के फंड के लिए यूएई सरकार सहित निवेशकों के साथ बातचीत कर रहे है, जो दुनिया की चिप-निर्माण क्षमता को बढ़ावा देगा। सूत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है, प्रोजेक्ट के लिए 5 ट्रिलियन डॉलर से 7 ट्रिलियन डॉलर तक जुटाने की आवश्यकता हो सकती है।

सनथ जयसूर्या ने दोहरे शतक के लिए पथुम निसंका की सराहना की

नई दिल्ली।
श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने अपने सर्वोच्च वनडे स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ने और अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बल्लेबाज बनने के लिए पथुम निसंका की सराहना की।

स्ट्रोक्स की लुभावनी श्रृंखला की विशेषता वाली निसंका की असाधारण पारी ने श्रीलंका को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अफगानिस्तान पर शानदार जीत दिलाई। उनकी 20 चौकों और आठ गगनचुंबी छक्कों से सजी 210 रनों की नाबाद पारी ने श्रीलंका को 50 ओवरों में 3 विकेट पर 381 रनों के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

निसंका के रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के मद्देनजर, जयसूर्या ने सोशल मीडिया पर युवा बल्लेबाज की बल्लेबाजी में मास्टरक्लास की सराहना की और इस तमाशे को प्रत्यक्ष रूप से देखने का सौभाग्य व्यक्त किया।

जयसूर्या ने एक्स पर पोस्ट किया, बल्लेबाजी में मास्टरक्लास के लिए पथुम को बधाई। मैं इसे व्यक्तिगत रूप से देखने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा हूं। शुद्ध आनंद।

निसंका की उपलब्धि, जिसने एकदिवसीय मैचों में किसी श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा दोहरा शतक बनाने का पहला उदाहरण बनाया, ने प्रतिष्ठित सनथ जयसूर्या द्वारा 189 रनों के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के लंबे समय से स्थापित रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

अविष्का फर्नांडो के साथ साझेदारी करते हुए, निसंका ने 182 रनों की शानदार शुरुआती साझेदारी के साथ श्रीलंका के विशाल स्कोर की नींव रखी। फर्नांडो के जाने के बाद, निसंका ने अपने आक्रामक स्ट्रोक का प्रदर्शन किया, अपने बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और अटूट दृढ़ संकल्प से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हालाँकि, अफगानिस्तान ने मोहम्मद नबी और अज़मतुल्लाह उमरज़ई के नेतृत्व में एक उत्साही लड़ाई लड़ी, जिन्होंने छठे विकेट के लिए 242 रनों की उल्लेखनीय साझेदारी की। अपने साहसिक प्रयासों के बावजूद, श्रीलंका की गेंदबाज़ी जोड़ी प्रमोद मदुशन और दुष्मंथा चमीरा ने धैर्य बनाए रखा और अंततः घरेलू टीम को 42 रनों से कड़ी जीत दिला दी।

अब दोनों टीमें अपनी श्रृंखला के दूसरे मैच के लिए एक ही स्थान पर भिड़ेंगी।

न्यूज ब्रीफ

नेसर की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वापसी

कैनबरा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 फरवरी से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। सीए ने इस सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों की घोषणा की है।

नेसर को इसलिए इस सीरीज के लिए शामिल किया गया है क्योंकि चयनकर्ताओं का मानना है कि वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में सीम-अनुकूल पिचों पर नेसर प्रभावी होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लांस मॉरिस के घायल होने और झाय रिचर्डसन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होने से भी नेसर को शामिल करना जरुरी हो गया था। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, नेसर की टीम में वापसी हुई है। देखना बहुत अच्छा है कि नेसर को लंबे समय से उनके लगातार लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में एक और मौका मिला है। जैसा कि हम जानते हैं कि प्रत्येक टेस्ट डब्ल्यूटीसी अंक को देखते हुए अहम है। ऐसे मे हमें इस दौरे में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। यह दौरा एक बहुत मजबूत टीम के खिलाफ एक कठिन चुनौती होगी जो लंबे समय से घरेलू मैदान पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक बार फिर सीरीज के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे। टीम में कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ के साथ सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के पास रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर शीर्ष पर आना रहेगा।

अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिताः चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली को ओवरआल का खिताब

धर्मशाला। खेल परिसर धर्मशाला के इंडोर स्टेडियम में भारतीय विश्वविद्यालय संघ और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला की तीन दिवसीय अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली ने ओवरआल विजेता के खिताब हासिल किया। जबकि मैंगलोर यूनिवर्सिटी कर्नाटक ने दूसरा और शिवाजी यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में शिवाजी यूनिवर्सिटी की आरती को बेस्ट वेटलिफ्टर चुना गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन 76, 81 और 87 किलोभार वर्ग के मुकाबले हुए। 71 किलोभार वर्ग में शिवाजी यूनिवर्सिटी की प्राजकता सलुंखे ने स्वर्ण, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की दीक्षा शर्मा ने रजत और मैंगलोर यूनिवर्सिटी की थंनुषा ने कांस्य पदक हासिल किया। 76 किलोभार वर्ग में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की जीवन लता ने स्वर्ण, सवित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी की माने त्रुपति ने रजत और मैंगलोर यूनिवर्सिटी की यस्वनी ने कांस्य पदक हासिल किया। 81 किलोभार वर्ग में पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला की हीना ने स्वर्ण, आंध्रा यूनिवर्सिटी की श्रीलक्ष्मी ने रजत और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की रेशमा ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

हम शीर्ष चार स्थानों पर रहने की कोशिश करेंगे हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह

कोलकाता। हरियाणा स्टीलर्स ने यूपी योद्धा को 50-34 से हराकर प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

जीत के साथ, स्टीलर्स स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गए। प्लेऑफ से पहले जीत के महत्व के बारे में पूछे जाने पर, हरियाणा स्टीलर्स के मुख्य कोच मनप्रीत सिंह ने कहा, हमारे घरेलू चरण से ठीक पहले जीत हासिल करना बहुत अच्छा है। टीम इस समय आत्मविश्वास से भरपूर है। हम जीत की कोशिश करेंगे। हमारे सभी मैच पंचकुला में हैं और लीग के अंत में शीर्ष चार में रहे। मनप्रीत सिंह ने इस सीज़न के प्रदर्शन के लिए स्टीलर्स के डिफेंडरों की भी सराहना की, हमारी रक्षा इकाई वास्तव में अच्छा खेल रही है। यदि डिफेंडर उसी तरह प्रदर्शन करना जारी रखते हैं, तो हम निश्चित रूप से अपने अगले चार मैच जीतेंगे। और जब रक्षा इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो आत्मविश्वास भी बढ़ता है। प्रतियोगिता के अंत से पहले टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू के बारे में बात करते हुए, मुख्य कोच ने कहा, टूर्नामेंट के अंत तक सभी खिलाड़ियों का फिट रहना महत्वपूर्ण है। हमें जल्दी-जल्दी चार मैच खेलने हैं।

इंग्लैंड से आखिरी 3 टेस्ट के लिए टीम-इंडिया का ऐलान

कोहली और श्रेयस बाहर, जडेजा-राहुल की वापसी ; बुमराह भी खेलेंगे

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 3 टेस्ट के लिए टीम इंडिया का ऐलान हुआ। 17 सदस्यीय टीम से विराट कोहली और श्रेयस अय्यर बाहर हो गए हैं। वहीं रवींद्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी हुई है। उधर, जसप्रीत बुमराह सीरीज के बाकी 3 मैच भी खेलेंगे। पहले कहा जा रहा था कि वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते उन्हें 2 टेस्ट से आराम दिया जा सकता है। आखिरी 3 टेस्ट राजकोट, रांची और धर्मशाला में खेले जाएंगे।

कोहली ने बीसीसीआई से ब्रेक बढ़ाने की मांग की थी - मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई सिलेक्शन कमेटी की मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग के पहले ही कोहली ने बीसीसीआई को अपनी अवेलेबिलिटी के बारे में बता दिया था। कोहली ने आखिरी मुकाबला अफगानिस्तान के खिलाफ 17 जनवरी 2024 का खेला था। वह निजी कारणों से सीरीज के शुरुआती 2 मुकाबले नहीं खेल सके, वह अब आखिरी 3 मैच भी नहीं खेलेंगे। विराट अपने करियर में पहली बार किसी होम टेस्ट सीरीज का कोई भी मुकाबला नहीं खेलेंगे।

जडेजा और राहुल ने की वापसी - दूसरे टेस्ट से बाहर हुए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बैटर केएल राहुल की टीम में वापसी हुई। दोनों पहले टेस्ट में इंजर्ड होने के बाद दूसरा मुकाबला नहीं खेल सके। हालांकि, बीसीसीआई ने यह भी कहा कि अगर दोनों फिट रहते हैं तभी उन्हें प्लेइंग-11 में शामिल किया जाएगा।

श्रेयस भी सीरीज से बाहर - श्रेयस अय्यर को पीठ की दर्द की वजह से टीम से बाहर रखा गया है। उन्होंने दूसरे टेस्ट के बाद पीठ में दर्द की शिकायत की थी। श्रेयस शुरुआती 2 टेस्ट में भी कुछ खास नहीं कर सके थे। वह 4 पारियों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके।

बुमराह पूरी सीरीज खेलेंगे, सिराज की भी वापसी - शुरुआती 2 टेस्ट में 15 विकेट ले चुके तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी सीरीज खेलेंगे। वह पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के बाद से लगातार इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं। टूर्नामेंट से पहले वह 18 महीने तक इंजरी के कारण बाहर रहे थे। ऐसे में फिटनेस को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिए जाने की रिपोर्ट्स आ रही थीं। उधर, दूसरा टेस्ट नहीं खेल सके मोहम्मद सिराज की टीम में वापसी हुई। पेसर्स में आकाश दीप को भी स्क्वॉड में शामिल किया गया, जबकि मध्य प्रदेश के आवेश खान को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया है।

पाटीदार और सरफराज टीम में बरकरार - दूसरे टेस्ट में डेब्यू करने वाले रजत पाटीदार भी टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे। उनके साथ सरफराज खान भी स्क्वॉड में शामिल हैं। श्रेयस और कोहली के बाहर होने से अब तीसरे टेस्ट में इन दोनों में से किसी एक को फिर मौका मिल सकता है। अगर टीम इंडिया ने 2 में से एक पेसर को बैठाने का फैसला किया तो रजत और सरफराज दोनों ही तीसरा टेस्ट खेल सकते हैं।

आखिरी 3 टेस्ट के लिए भारत का स्क्वॉड - रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल*, रजत पाटीदार, सरफराज खान, केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा*, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और आकाश दीप। राहुल और जडेजा फिट घोषित किए जाने के बाद ही मुकाबले खेल सकेंगे।

टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी पर है टीम - 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में पहला मुकाबला 28 रन से जीता था। जबकि विशाखापट्टनम में दूसरा मुकाबला भारत ने 106 रन से जीता। 15 फरवरी से तीसरा टेस्ट राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची और 7 मार्च से 5वां टेस्ट धर्मशाला में होगा।

भारत ने घर में आखिरी सीरीज 3-1 से जीती थी - भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज अगस्त 2021 के दौरान इंग्लैंड में हुई थी। 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। वहीं, भारत में दोनों के बीच आखिरी सीरीज फरवरी 2021 में हुई, 4 टेस्ट की इस सीरीज को भारत ने 3-1 से जीता था।

बंगाल से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं आकाशदीप , इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल मध्यम तेज गति के युवा गेंदबाज आकाशदीप टीम में नया चेहरा हैं। आकाशदीप का जन्म बिहार में हुआ है पर वह बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्हें तेज गेंदबाज आवेश खान की जगह टीम में जगह मिली है। आवेश टीम में बैकअप तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल थे। अब आकाशदीप को टेस्ट में प्रदर्पण का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम में आकाश के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का जन्म भी बिहार में हुआ था पर वह भी बंगाल की ओर से खेलते हैं। दाएं हाथ के गेंदबाज आकाश दीप को इससे पहले सीमित ओवरों के दल में भी जगह मिली थी। उन्हें एशियाई खेलों के अलावा दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टीम में रखा गया था पर उन्हें पदार्पण का अवसर नहीं मिला था। बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले आकाशदीप ने हाल में इंडिया ए की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी शानदार गेंदबाजी से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। आकाश दीप ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की गैर आधिकारिक टेस्ट सीरीज में इंडिया ए की ओर से सबसे अधिक 13 विकेट लिए थे। इसके अलावा आकाश दीप ने साल 2022 आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ओर से खेला था हालांकि वह तब प्रभावित नहीं कर पाये थे। आईपीएल में अपने पहले सत्र में उन्होंने कप्तान फाफ डुप्लेसी को अपनी गति से काफी प्रभावित किया था। आकाश दीप ने साल 2019 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 29 मैचों में 103 विकेट लिए थे। इसके अलावा वह निचले क्रम में तेजी से बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं।

यशस्वी के पास सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने मौका, 363 रनों की और जरुरत

राजकोट।
भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आजकल शानदार फार्म में चल रहे हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। अब उनके पास इस सीरीज में सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने का अवसर है। अब तक ये रिकार्ड विनोद कांबली के नाम है। कांबली ने अपने 12वें टेस्ट की 14वीं पारी में ही 1000 रन बना दिये थे।

यशस्वी ने अबतक भारतीय टीम की ओर से छह टेस्ट मैच खेलकर 637 रन बना लिए हैं। इसमें एक शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। यशस्वी का ओवरऑल रिकॉर्ड 6 टेस्ट, 11 पारी, 637 रन है। ऐसे में अगर यशस्वी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 363 रन और बना लें तो उनके टेस्ट करियर के एक हजार रन पूरे हो जाएंगे। उन्होंने सीरीज के पहले दो मैचों में ही 321 रन बना दिये हैं। ऐसे में उनके लिए बचे हुए 3 मैच में 363 रन बनाना असंभव नहीं है।

अब तक सबसे कम पारी में हजार रन बनाने का संयुक्त विश्व रिकॉर्ड हरबर्ट सटफ्लिक और एवर्टन वीक्स के नाम है। इन दोनों ने ही नौवें मैच की 12वीं पारी में अपने एक हजार रन बना लिए थे। वहीं जहां तक सबसे कम टेस्ट मैचों में हजार रन बनाने के रिकॉर्ड की बात करें तो यह उपलब्धि सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है।

ब्रैडमैन ने 7वें टेस्ट की 13वीं पारी में एक हजार रन पूरे किए थे। वहीं नील हार्वे ने 10 टेस्ट, 14 पारी में ये रन पूरे किये थे। इस मामले में विनोद कांबली पांचवें नंबर पर हैं। वहीं भारत के ही चेतेश्वर पुजारा ने 11वें टेस्ट की 18वीं पारी में अपने एक हजार रन पूरे किए थे।

स्नेहा ने महिला प्रो गोल्फ टूर के चौथे चरण का खिताब जीता, दोहा में शुभंकर और ओमप्रकाश की खराब शुरुआत

नई दिल्ली।
विशाखापत्तनम में स्नेहा सिंह ने आखिरी तीन होल में दो बोगी करने के बाद बावजूद हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के चौथे चरण को जीतने में सफल रही। मौजूदा सत्र में तीन चरण में भाग लेने वाली स्नेहा की यह दूसरी जीत है। उन्होंने इस चरण के चौथे दौर में ईवन पार 72 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर पांच अंडर 211 होगा।

हिताशी ने चौथे दौर में बोगी रहित 69 का कार्ड खेला लेकिन यह स्नेहा के पांच शॉट की बढ़त को पाटने के लिए काफी नहीं था। मौजूदा सत्र में तीसरे चरण की विजेता हिताशी पहले, दूसरे और इस चरण में उपविजेता रही है। राष्ट्रीय खेलों की रजत पदक विजेता जारा (74-72-69) तीसरे जबकि रिद्धिमा दिलावरी चौथे स्थान पर रही।

दूसरी ओर, दोहा में भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने कमर्शियल बैंक कतर मास्टर्स के पहले दौर में दो ओवर 74 का कार्ड खेलकर निराशाजनक शुरुआत की जिससे वह संयुक्त रूप से 90वें स्थान पर बने हुए हैं। शुभंकर ने 10वें होल में बर्डी से शुरूआत की लेकिन फिर लगातार तीन बोगी और एक डबल बोगी कर बैठे। फिर वह दो बर्डी के बावजूद इससे नहीं उबर सके। अन्य भारतीयों में ओम प्रकाश चौहान का डीपी वर्ल्ड टूर के पहले सत्र में जूझना जारी रहा और उन्होंने पहले दौर में तीन बोगी, एक डबल बोगी और एक ट्रिपल बोगी से आठ ओवर 80 का कार्ड बनाया। वह एक भी बर्डी नहीं लगा सके।

ओलंपिक क्वालिफायर्स-एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल की तारीख आई सामने

नई दिल्ली।
आगामी ओलंपिक क्वालिफायर और एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम चुनने के लिए चयन ट्रायल का आयोजन 10 और 11 मार्च को क्रमशः पटियाला और सोनीपत में होगा। यह जानकारी इस खेल का प्रबंधन कर रही तदर्थ समिति ने दी। इस ट्रायल की योजना शुरुआत में 27 से 29 फरवरी के लिए बनाई गई थी, लेकिन अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी में देरी के बाद इसे स्थगित कर दिया। महिला पहलवानों के लिए ट्रायल एनएसएनआईएस पटियाला में होंगे जबकि ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए ट्रायल भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत में होंगे। भूपेंद्र सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाली तदर्थ समिति ने बयान में कहा, आगामी ओलंपिक क्वालिफायर और एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन के लिए तदर्थ समिति 10 और 11 मार्च, 2024 को चयन ट्रायल का आयोजन करेगी। समिति ने कहा, इससे पहले ट्रायल को 27 से 29 फरवरी 2024 के बीच आयोजित करने की घोषणा की गई थी लेकिन अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण 2023 सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन में देरी के कारण ट्रायल्स को स्थगित किया जा रहा है। ओलंपिक भारवर्ग में ट्रायल के विजेता को आगामी ओलंपिक क्वालिफायर (19 से 21 अप्रैल तक एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर और नौ से 12 मई तक विश्व ओलंपिक क्वालिफायर) में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

अंतिम को मिलेगा एशियाई चैंपियनशिप में सीधे प्रवेश - अंतिम पंघाल (53 किग्रा) को 2024 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में खेलने के लिए सीधे प्रवेश दिया जाएगा। भारत ने अब 53 किग्रा महिला कुश्ती वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। यह कोटा अंतिम ने 2023 सीनियर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर हासिल किया था।

17 कोटा हासिल कर सकते हैं भारतीय पहलवान - भारतीय पहलवान अभी 17 कोटा (महिला कुश्ती में पांच, ग्रीको रोमन में छह और फ्रीस्टाइल में छह) हासिल कर सकते हैं। पिछले साल 21 दिसंबर को संजय सिंह की नवनिर्वाचित संस्था को सत्ता में आने के तीन दिन बाद ही खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया था और कुश्ती का कामकाज देखने के लिए फिर से आईओए का तदर्थ पैनल बनाया गया।

इंग्लैंड को सफल होने आक्रामक और पारंपरिक शैली में संतुलन लाना होगा : वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि टीम को भारत में सफल होने के लिए आक्रामक और पारंपरिक क्रिकेट की शैली में संतुलन बनाना होगा। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज पहले दोनो ही मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वॉन के अनुसार टीम को आक्रामक रणनीति अपनाने के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट में अच्छी सफलता मिली है पर उसे एशेज सीरीज सहित कुछ मुकाबलों में विफलता का सामना भी करना पड़ा है। वॉन ने कहा, 'अब इंग्लैंड एक ऐसी टीम बन गई है जो कड़े प्रयासों के बाद भी अधिक सफलता नहीं हासिल कर पा ररी है पर उसकी आलोचना नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद खिलाड़ियों ने काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि चिंता है कि कहीं वे एक ऐसी टीम न बन जाए जो इतना शानदार करने के बाद भी अधिक मैच जीतने में सफल विफल रहें। जब उन्हें एशेज श्रृंखला जीतनी चाहिए थी तब वे नहीं जीत सके और अब भारतीय टीम सीरीज में वापसी में सफल रही। यह भी तब हुआ जब भारतीय टीम में विराट कोहली समेत कई बड़े खिलाड़ी शामिल नहीं थे। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में जीत से सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली थी पर टीम दूसरे मैच में भारतीय गेंदबाजों के सामने बिखर गयी गयी।

क्या आप भी हैं कॉफी के एडिक्ट, तो ऐसे छुड़ाएं ये आदत !

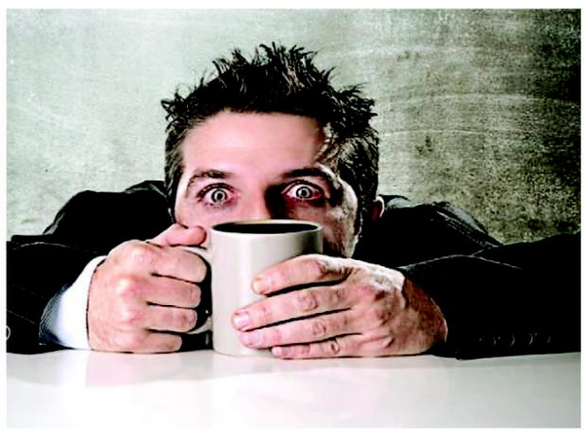

बहुत से लोगों को कॉफी यानि कैफीन का नशा होता है. कुछ लोग चाहकर भी कैफीन की लत को छोड़ नहीं पाते. आज हम आपको बता रहे हैं कैसे आप आसानी से कुछ टिप्स अपनाकर कैफीन की लत से छुटकारा पा सकते हैं.

डीप ब्रीथ प्रैक्टिस- कैफीन विड्रायल सिम्टम से फाइट करने के लिए डीप ब्रीथ प्रैक्टिस करें. लंबी-लंबी गहरी सांसे लेने से कैफीन की स्ट्रांग क्रेविंग, एंजाइटी और बेचैनी को भी खत्म किया जा सकता है.

खूब पानी पीएं- कैफीन के एडिक्शन से बचने का बेहतर तरीका है कि पानी खूब पीएं. इससे आपकी क्रेविंग भी कम होगी. रोजाना पानी की अधिक मात्रा पीने से बॉडी डिटॉक्सीफाई होगी और आपकी बॉडी को ये हाइड्रेट रखेगा.

बेहतर नींद लें- अच्छी नींद से भी कैफीन की लत छुड़ाने में मदद मिलती है. लेकिन कम नींद लेने से आपकी कैफीन छुड़ाने की लत पर बुरा असर पड़ता है. हेल्दी स्लिप हैबिट अपनाएंगे तो धीरे-धीरे कैफीन की क्रेविंग कम होने लगेगी.

ग्रीन टी- कॉफी के बदले ग्रीन टी लेने की कोशिश करें. इसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं तो कि बॉडी से हार्मफुल टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं. ग्रीन टी पीने से ओवरऑल कैफीन इंटेक कम हो जाता है. काफी के बजाय दिनभर में 3 से 4 कप ग्रीन टी पीएं.

कुछ अन्य टिप्स-
रोजाना सुबह एक्सरसाइज करें.हेल्दी जूस का सेवन करें.प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर सप्लीमेंट्स या फूड का सेवन करें.जिनसेन हर्ब का इस्तेमाल करें ये कैफीन की लत को छुड़ाने में मदद करेगा.

मेकअप उतारने के कुछ आसान नैचुरल नुस्खे

ऑफिस, पार्टी, फंक्शन से आने के बाद जितना ज़रूरी कपडे बदलना होता है उतना ही ज़रुरी मेकअप उतारना होता है। इससे आपकी चेहरे की स्किन के रोम छिद्र भी खुल जाते है और पूरे दिन की धूल मिट्टी भी साफ हो जाती है। मेकअप उतारने के लिए आज बाजार में ढेरों प्रोडक्ट मौजूद है। लेकिन इन सब के ना होने के बाद भी आप अपना मेकअप उतार सकती है वो भी सुरक्षित तरीको से। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपना मेकअप तो उतार ही सकती है साथ ही इससे आपकी त्वचा में निखार और चमक भी बरकरार रहेगी ।

दही

दही के फ़ायदे तो हम पहले से ही जानते हैं दही खाने और चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे मेकअप उतारने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, दही एक मेकअप रिमूवर भी है 7 इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें 7 फिर इसमें कॉटन बॉल डुबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ ने के बाद जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लें।

बेबी शैम्पू

बेबी शैम्पू से भी मेकअप रिमूव कर सकते है। एक कप पानी में आठ टी-स्पून ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल और आधा टीस्पून बेबी शैम्पू मिलाकर एक बोतल में भरकर आप इसे फ्रीज़ कर सकती है और जरुरत के वक्त इसे मेकअप रिमूव के प्रयोग में ला सकती है।

कच्चा दूध और बादाम तेल

एक टेबलस्पून कच्चे दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मेकअप छुड़ाएं। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। इससे आपकी त्वचा मुलायम होती है।

जोजोबा एंड विटामिन ई ऑयल:

विटामिन ई त्वचा को मुलायम बनाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होता है। जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर कांच की बोतल में रख दें । इससे वाटर प्रूफ मस्कारा लिक्विड आई लाइनर भी बिना ज्यादा मेहनत के रिमूव कर सकती है।

नारियल तेल

आपने कोकोनट ऑयल का प्रयोग मॉइश्चराइज़र, लिप बाम की तरह किया होगा। इसके साथ आप मेकअप रिमूवर के तौर पर इसे इस्तेमाल कर सकती है । थोड़ा-सा नारियल तेल हथेली पर लेकर इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करे। ये स्किन को सॉफ्ट बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है।

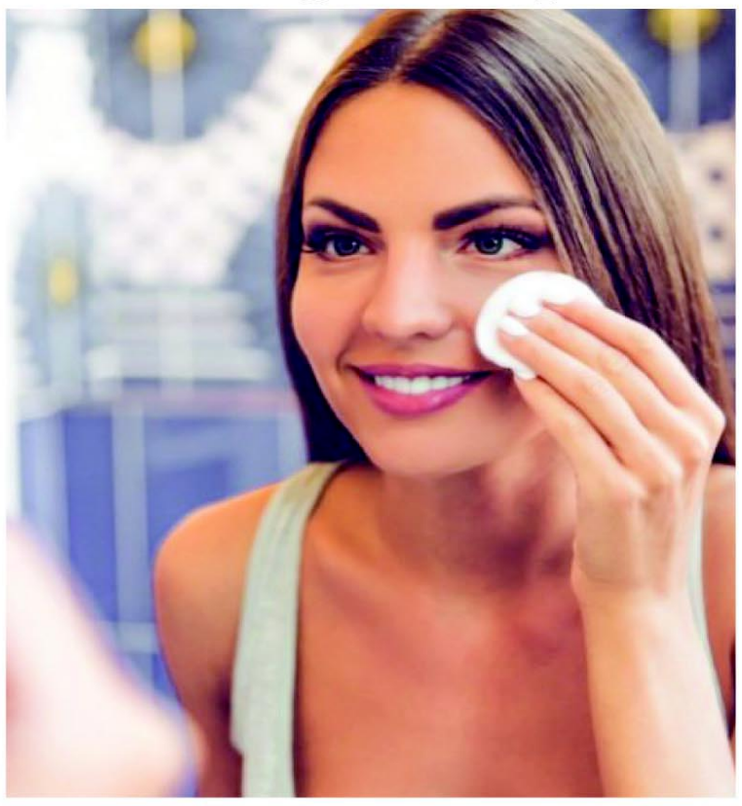

आंखों को इस तरह से लाभ पहुंचाता है ये सेब !

सेब के तो आपने बहुत फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं ये आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं सेब के जरिए कैसे आंखों की समस्याओं को दूर रखा जा सकता है.

आंखों की परेशानी में सेब-जब आंखों में सूजन हो, लाली हो या फिर कोई इंफेक्शन हो तो कच्चे सेब को आग में भूनकर इसकी पोटली से आंख की सिंकाई करें. इससे एलर्जी और आंख की बाकी समस्याओं से निजात मिलेगी.

सेब की चाय- सेब की चाय बनाने के लिए कच्चे सेब के टुकड़े सुखा लें. सूखने के बाद इसमें तुलसी का पत्ता, पुदीना, काली मिर्च और लौंग मिलाकर उबाल लें. ये चाय का बेहतर विकल्प है. सेब की चाय सर्दी और खांसी में आराम देती है.

बिच्छू डंक में सेब- सेब की पत्तियां बिच्छू डंक में बहुत ही अच्छा काम करती हैं. सेब की 10 ग्राम पत्तियों को 400 ग्राम पानी में मसलकर डालें. बचा हुए पानी जब 100 ग्राम रह जाए तो उसमें सेंधा नमक डालकर इसका सेवन करें.

सेब के पत्ते के पानी में सेंधा नमक घोलकर 4 से 5 बूंदें बिच्छू के डंक के घाव को भरने के लिए बिच्छू जिस हिस्से में काटा है उसकी दूसरी तरफ कान में डाल दीजिए. आराम मिलेगा.

सर्दियों में हरी मटर खाने के है ये बेमिसाल फायदे, जानिए

यूं तो सभी सब्जियों के अपने अलग-अलग फायदे हैं तथा सभी सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती है जो कि मौसम के अनुसार खाने से ही फायदा करती है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में हरी सब्जियां ज्यादा मिलती है।

मटर सर्दियों की सबसे अहम सब्जियों में से एक होती है। बहुत कम ही लोग होते है जो मटर के गुणों के बारे में जानते हैं। खाने खाने से आप कई तरह की गंभीर बीमारियों से भी बच सकते है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर, मोटापा से बचाव होता है। जानिए इसको सेवन करने के फायदो के बारें में।

कैंसर से करें बाचव

मटर के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। हर रोज इसे खाने से शरीर से कैंसर के घातक एलीमेंट दूर हो जाते है।

मोटापा से दिलाए निजात

यह फाइबर से भरपूर होती है। यह हमारी बॉडी को एनर्जी देने के साथ-साथ मेटाबॉल्जिम को बढ़ाता है। जिससे कि बॉडी से फैट की मात्रा को भी कम करता है।

मधुमेह

मटर खाने से मधुमेह नहीं होता है। मटर शरीर में खून के स्तर को नियंत्रित करता है। जिससे की डायबिटीस की समस्या नहीं होती है।

कोलेस्ट्रॉल को करें कम

मटर हमारी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देती है। मटर खाने से बॉडी में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ता नहीं है। जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है।

उंगलियों की सूजन को करें कम

सर्दियों के दिनों जिन लोगों की उंगलियां सूज जाती है उनके लिए मटर काफी लाभदायक सिद्ध होता है। मटर के काढ़े के अंदर उंगलियां डुबोने से सूजन कम हो जाती है।

रखें जवां

मटर खाने से आपकी त्वचा लंबे समय के लिए जवान रहती है। इसमें फ्लैवानॉड्स, फाइटोन्यूटिंस, कैरोटिन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।

याददाश्त बढ़ाएं

मटर का सेवन करने से याददाश्त बढ़ती है और यह फेफड़ों संबंधी बीमारियों को भी दूर करती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

मटर में विटामिन होता है जो की हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों के लिए असरदार होती है।

चेहरे की झाइयों को करें कम

मटर सेहत के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही साथ सौंदर्य के लिए भी असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती है।

टॉन्सिल की दिक्कत से जुड़ी हुई हैं ये समस्याएं भी

टॉन्सिल होने पर गले के दोनों ओर सूजन आ जाती है। शुरुआत में मुंह के अंदर गले के दोनों ओर दर्द महसूस होता है और बार-बार बुखार भी आता है। टॉन्सिल्स सामान्य से ज्यादा लाल हो जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉन्सिल के कारण आपको कई अन्य तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही समस्याओं पर एक नजर-

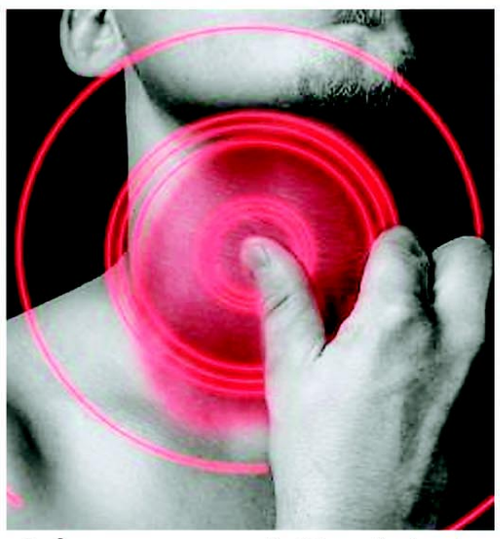

मुंह से बदबू आना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी मुंह की सफाई न करने के कारण मुंह की बदबू से ग्रस्त हैं। लेकिन टॉन्सिल की समस्या होने पर भी सांसों से बदबू आने लगती है। टॉन्सिल ग्लैंड दरारों से भरा होता है जहां बैक्टीरिया और डेड सेल्स अटक जाते हैं और इनके कारण मुंह से बदबू आने लगती है।

खर्राटों की समस्या

गले में बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण आपको खर्राटों की समस्या हो सकती है। अमेरिकन अकादमी ऑफ ओटालर्यनॉलजी के अनुसार, बढ़े हुए टॉन्सिल से खर्राटों की समस्या हो सकती है। जब बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण टॉन्सिल का आकार बढ़ने लगता है तो गले में हवा के बहाव में रुकावट आने लगती है। जिससे खर्राटे की समस्या होती है।

साइनस इन्फेक्शन

बढ़े हुए टॉन्सिल से बार-बार साइनस और कान में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। ऐसा नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाने से होता है और कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी कान से पस बाहर आने लगता है। इससे सुनने की क्षमता कम होने लगती है।

सिरदर्द की समस्या

बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण सोते समय सांस लेने में भी परेशानी होती है। नींद में इस तरह का खलल आने से ब्रेन तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसकी कमी से रक्त-वाहिनियों का आकार बढ़ जाता है और सिरदर्द होने लगता है।

प्लास्टिक के डिब्बों को साफ करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में ज्यादातर लोग स्टील और एल्युमिनियम के डिब्बों की जगह प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये डिब्बे काफी हल्के होते हैं और इनके टूटने का डर भी नहीं होता। आजकल बाजार में ऐसे कंटेनर भी आ गए हैं जिन्हें माइक्रोवेव में भी रखा जा सकता है। इनमें खाना फ्रेश बना रहता है और साथ ही यह देखने में काफी आकर्षक भी होते हैं। हालांकि प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल बहुत लंबे समय तक नहीं करना चाहिए साथ ही इनकी सफाई का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए, वरना ये नुकसानदेह हो सकते हैं।

कई बार प्लास्टिक के डिब्बों को अच्छे से साफ न करने पर उनमें से बदबू आने लगती है और चिकनाहट बनी रह जाती है। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको इन्हें साफ करने का सही तरीका पता हो-

1. बदबू दूर करने के लिए

अगर आपके प्लास्टिक के बॉक्स से बदबू आ रही है तो यह घरेलू उपाय आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक बाल्टी गर्म पानी ले लें और उसमें तीन चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। प्लास्टिक के इन बॉक्स को बाल्टी में डाल दें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साफ करें। आप चाहें तो बाल्टी के इस पानी में नींबू का रस और सिरका भी मिला सकते हैं।

2. ज़िद्दी दाग

अगर आपके प्लास्टिक के डिब्बों पर जिद्दी दाग हैं तो उन्हें साफ करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहेगा। दाग लगे डिब्बों को ब्लीच के इस मिश्रण में डालें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साबुन से धो लें। दाग दूर हो जाएंगे।

3. रख-रखाव

अगर आप नहीं चाहते कि प्लास्टिक के डिब्बों से बदबू आए तो एक बात का ख्याल हमेशा रखें कि इनमें लंबे समय तक खाना न रखें। साथ ही हर कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में बिना जांचें इन्हें माइक्रोवेव में न रखें।

सर्दियों में त्वचा को यूं बनाएं खूबसूरत !

बदलते मौसम के साथ ही स्किन की खास देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है. स्किन में निखार लाने के लिए क्रीम और सीरम लगाने के अलावा कुछ ऐसे इंग्रेडीएंट्स भी हैं जो आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं. काया लिमिटेड की प्रमुख मेडिकल सर्विसेज एंड आर एंड डी संगीता वेलासकर ने अपनी खूबसूरती को लेकर विशेष रूप से सजग रहने वाली महिलाओं के लिए कुछ सुझाव दिए हैं.

कोलेजन हमारी कोशिकाओं से निकलने वाले प्रोटीन हैं जो त्वचा को एक साथ जकड़ कर रखने में मददगार होता है. कोलेजन त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. जब हम युवा होते हैं तो हमारी त्वचा मोटी और कोमल होती है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन बनना कम हो जाता है, जिसके चलते झुर्रियां पड़ने लगती है और जो कोलेजन मौजूद होते हैं वह भी सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण नष्ट हो जाते हैं, इसलिए कोलेजन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा में कसाव और चमक आएगी और झुर्रियां और महीन रेखाएं खत्म हो जाएंगी.एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 एक प्रकार से न्यूरोपेप्टाइड होता है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है.

यह झुर्रियां और महीन रेखाएं भी दूर करता है, इसलिए एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 युक्त सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें.शरीर में कोलेजन बनना कम होने से झुर्रियां पड़ने लगती है, जबकि अत्यधिक कोलेजन से त्वचा ढीली होने लगती है.

ऐसे में हायलारोनिक युक्त उत्पाद का प्रयोग त्वचा में एसिड कोलोजन के स्तर को उचित मात्रा में बनाए रखता है और त्वचा में नमी बरकरार रखता है. इससे आपकी त्वचा जवां नजर आती है.ग्लाइकोलिक एसिड गन्ने के रस से निकलता है. यह अल्फा हायड्रॉक्सी समूह के सबसे छोटे अणुओं में से एक है. यह त्वचा में गहराई से समाकर प्रभावकारी असर दिखाता है, ग्लाइकोलिक एसिड युक्त उत्पाद के इस्तेमाल से काले धब्बे, मुंहासे, डलनेस, ऑयलीनेस दूर होता है और आपकी त्वचा पहले से ज्यादा जवां और निखरी नजर आती है.

इस छोटी सी ट्रिक से मिलेगा

अनचाहे बालों से छुटकारा

यूं तो महिलाएं बॉडी के अनचाहे बालों से परेशान रहती ही हैं लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें परेशानी होती है चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों से. लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं. आप आसानी से चेहरे के अनचाहे बालों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकती हैं. लेकिन इसके लिए अपनानी होगी ये ट्रिक.

सबसे पहले आप 1 टेबल स्पून ओटमील पेस्ट लें. 2 टेबल स्पून शहद लें और 2 टेबल स्पून नींबू का रस लें.

इन सभी को मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां आप अनचाहे बालों को हटाना चाहते हैं.

इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें.15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.उसके बाद चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं.इस नुस्खे को सप्ताह में दो से तीन बार अपनाएं. एक महीने बाद आप खुद देखेंगे अनचाहे बाल आने बंद हो गए हैं.

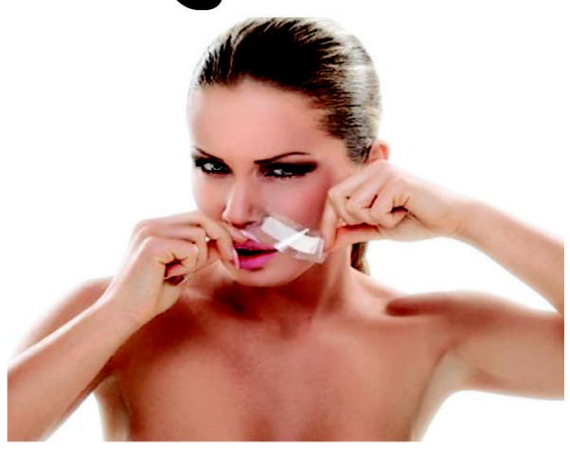

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**